मंगलमय 2024

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

नव वर्ष की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 26 | अंक : 11 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 01 जनवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

मुख्यमंत्री ने किया रुद्राभिषेक व हवन

प्रदेशवासियों के सुख तथा समृद्धि की प्रार्थना की

गोरखपुर (एजेंसी)। नए साल के पहले दिन की शुरुआत प्रभु श्रीराम के द्वारा भी पूजित देवाधिदेव महादेव के अभिषेक (रुद्राभिषेक) और हवन अनुष्ठान के साथ की। इस दौरान उन्होंने भगवान भोलेनाथ से समस्त नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति की प्रार्थना की। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ (एजेंसी)। आतंकी संगठन आईएसआई ने एक मेल के जरिए उत्तर प्रदेश में बम धमाकों की धमकी दी है। आईएसआई द्वारा भेजे गए धमकी भरे इस मेल में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित एसटीएफ के एडीजी, निर्माणाधीन राम मंदिर और भारतीय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल भेजने वाले ने दावा किया है कि वह आतंकवादी संगठन आईएसआई से जुड़ा हुआ है। धमकी का मामला सामने आने के बाद एटीएस और एसटीएफ जांच में जुट गई है। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

पुलिस की गाड़ी में मारी टक्कर, उपनिरीक्षक की मौत, दो घायल

नोएडा (चेतना मंच)। बीती रात्रि तेज गति में आ रही एक महिंद्रा पिकअप गाड़ी ने सेक्टर-2 में पुलिस की थार मोबाइल गाड़ी में टक्कर मार दी। इस हादसे में थार गाड़ी में सवार 2 सब-इंस्पेक्टर व कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया जहां एक सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई। थाना फेस-1 में तैनात सब इंस्पेक्टर रामकिशोर, विजय रावत तथा कांस्टेबल नरेश की ड्यूटी बीती रात थार मोबाइल गाड़ी पर थी। तीनों पुलिसकर्मी रात्रि कारी 10 बजे के आसपास सेक्टर-2 स्थित महिंद्रा के शोरूम के पास गश्त कर रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार में आ रही एक महिंद्रा पिकअप गाड़ी के चालक ने पुलिस **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

मौत के बजाय कारावास

कतर में भारत के 8 पूर्व नौसैनिकों की सजा-ए-मौत रद्द कर दी गई है। उन्हें अब कारावास की सजा दी गई है। वह सजा कितने साल की होगी, यह अदालत के विस्तृत फैसले से ही स्पष्ट होगा। यह अदालती फैसला भारत और उसके पूर्व नौसैनिकों के लिए सुखद और राहतपूर्ण है, क्योंकि जासूसी के अपुष्ट आरोपों पर भारतीय विदेशों में जेल की सजाएं झेलते रहे हैं। कतर में मौत की सजा ने भारत को हैरानी के साथ-साथ सदमे में भी डाल दिया था। कतर के सरकारी अफसर अपराध का खुलासा नहीं कर रहे थे और न ही आरोपों को सार्वजनिक कर रहे थे। यह आरोप जरूर सामने आया कि पूर्व नौसैनिकों ने कतर की एक महत्त्वपूर्ण पनडुब्बी परियोजना की संवेदनशील सूचना इजरायल को दी थी। मौजूदा संदर्भों में भारत इजरायल का मित्र-देश है, जबकि कतर हमास के सियासी नेतृत्व की आर्थिक मदद करता रहा है और उन्हें पनाह भी देता रहा है, लेकिन पनडुब्बी वाली सूचना को लेकर कतर के आरोपों का आधार पुख्ता नहीं था और न ही साक्ष्य थे। बहरहाल भारत की कूटनीतिक और कानूनी लड़ाई रंग लाई और 8 भारतीय मौत की सजा से बच गए। भारत और कतर के दरमियान 2015 का एक समझौता है, जिसके तहत सजायाफ्ता लोगों को उनके गृह देश में ही स्थानांतरित करने का प्रावधान है। वे शेष सजा अपने ही देश में काट सकते हैं। मौजूदा मामले में क्या होता है, उसका खुलासा आने वाले दिनों में ही होगा। गौरतलब यह भी है कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की दुबई में मुलाकात पर्यावरण के कॉप-28 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। प्रधानमंत्री ने पूर्व नौसैनिकों की गिरफ्तारी और सजा-ए-मौत का जिक्र किया था अथवा नहीं, सरकार उसे लेकर बिल्कुल खामोश है। अगस्त, 2022 में भारत के पूर्व नौसैनिकों की गिरफ्तारी के बाद उन्हें एकांत कारावास में रखा गया था और मामले को पूरी तरह 'गोपनीय' बना दिया गया था। दोनों ही सरकारों ने आरोपों पर सार्वजनिक बातचीत करने में संकोच बरता। हालांकि कतर में भारत के वाणिज्य दूत और कानूनी टीम को पूर्व नौसैनिकों से मिलने की इजाजत दी गई। कतर में 8 लाख से अधिक भारतीय बसे और काम करते हैं। पूरे पश्चिमी एशिया में भारतीयों की कार्यरत आबादी सर्वाधिक है, लिहाजा जासूसी के आरोप सहज और चुनौतीपूर्ण हैं। पूर्व नौसैनिकों में कैप्टन स्तर के अधिकारी भी हैं, जो ओमान की 'अल दहरा ग्लोबल टेक्नॉलॉजीज एंड कंसल्टिंग सर्विसेज कंपनी' के लिए काम कर रहे थे। कंपनी कतर की नौसेना को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दे रही थी। हम किसी भी तरह का दावा नहीं कर सकते कि यह रक्षा-कंपनी संदिग्ध गतिविधियों में संलग्न रही है या उसे 'काली सूची' में डाल देना चाहिए अथवा भारतीय अब भी इस कंपनी में कार्यरत हैं या कंपनी छोड़ चुके हैं, लेकिन विदेशी कंपनियों में शामिल होने से पहले भारतीयों को विस्तृत जानकारी ले लेनी चाहिए कि उन कंपनियों की पृष्ठभूमि क्या रही है। जिन देशों की न्यायिक व्यवस्था 'ब्लैक बॉक्स' जैसी है, वहां नौकरी नहीं करनी चाहिए। आखिर न्यायिक इंसाफ तो अनिवार्य है। कमोबेश यह मामला भारतीयों को कई बड़े सबक दे सकता है। आज की युवा पीढ़ी वे सबक लेना चाहे अथवा विदेश जाने की अंधी दौड़ में शामिल रहे। फिर भी पश्चिमी एशिया में हमें अपनी सक्रियता और तालमेल, संपर्क को बढ़ाना चाहिए, क्योंकि आज दुनिया ही एक परिवार की तरह है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि आपका सुंदर यश पुराणों, वेदों में और तंत्रादि शास्त्रों में प्रकट है! देवता, मुनि और संतों के समुदाय उसे गाते हैं। आप करुणा करने वाले और झूठे मद का नाश करने वाले, सब प्रकार से कुशल (निपुण) श्री अयोध्याजी के भूषण ही हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कलि मल मथन नाम ममताहन। तुलसिदास प्रभु पाहि प्रनत जन॥

आपका नाम कलियुग के पापों को मथ डालने वाला और ममता को मारने वाला है। हे तुलसीदास के प्रभु! शरणागत की रक्षा कीजिए॥

दो0- प्रेम सहित मुनि नारद बरनि राम गुन ग्राम।
सोभासिंधु हृदयँ धरि गए जहाँ बिधि धाम॥

श्री रामचंद्रजी के गुणसमूहों का प्रेमपूवक वर्णन करके मुनि नारदजी शोभा के समुद्र प्रभु को हृदय में धरकर जहाँ ब्रह्मलोक है, वहाँ चले गए॥

गिरिजा सुनहु बिसद यह कथा। मैं सब कही मोरि मति जथा॥
राम चरित सत कोटि अपारा। श्रुति सारदा न बरनै पारा॥

(शिवजी कहते हैं-) हे गिरिजे! सुनो, मैंने यह उज्वल कथा, जैसी मेरी बुद्धि थी, वैसी पूरी कह डाली। श्री रामजी के चरित्र सौ करोड़ (अथवा) अपार हैं। श्रुति और शारदा भी उनका वर्णन नहीं कर सकते॥

राम अनंत अनंत गुनानी। जन्म कर्म अनंत नामानी॥
जल सीकर महि रज गनि जाहीं। रघुपति चरित न बरनि सिराहीं॥

भगवान श्री राम अनंत हैं, उनके गुण अनंत हैं, जन्म, कर्म और नाम भी अनंत हैं। जल की बूँदें और पृथ्वी के रजकण चाहे गिने जा सकते हों, पर श्री रघुनाथजी के चरित्र वर्णन करने से नहीं चूकते॥

बिमल कथा हरि पद दायनी। भगति होइ सुनि अनपायनी॥
उमा कहिउँ सब कथा सुहाई। जो भुसुंडि खगपतिहि सुनाई॥

यह पवित्र कथा भगवान के परम पद को देने वाली है। इसके सुनने से अविचल भक्ति प्राप्त होती है। हे उमा! मैंने वह सब सुंदर कथा कही जो काकभुशुण्डिजी ने गरुड़जी को सुनाई थी॥

क्रमश:

भारत के लिए वर्ष 2024 भी सुनहरा वर्ष साबित होने जा रहा है

विश्व के कुछ देश वर्ष 2024 में मंदी की मार झेल सकते हैं, यह कुछ अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों का आंकलन है। परंतु, वैश्विक स्तर पर अर्थव्यस्था के गिरने की सम्भावनाओं के बीच एक देश ऐसा भी है, जिस पर समस्त अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक, की नजरें टिकी है, वह है भारत। भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति समस्त विदेशी वित्तीय संस्थान आशावान हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को अब भारत ही सहारा देने की क्षमता रखता है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अभी हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी किया है। इसमें भारत के प्रति मुख्य रूप से तीन बातें कही गई हैं। प्रथम, भारत आज विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। दूसरे, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करेगा। तीसरे, वर्ष 2024 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 16 प्रतिशत का रहने वाला है। भारत आने वाले समय में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के विकास में एक इंजिन के रूप में अपना योगदान देने को तैयार है।

भारत ने वर्ष 2023 में विश्व में कम होती विकास दर के बीच भी आकर्षक विकास दर हासिल की है। क्योंकि, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, लगातार कई बड़े फैसले लिए हैं, जिनका प्रभाव अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। एक तो भारत ने आर्थिक व्यवहारों का डिजिटलीकरण किया है और इस क्षेत्र में पूरे विश्व को ही राह दिखाई है, इससे आर्थिक व्यवहारों की न केवल निपुणता बढ़ी है बल्कि लागत भी बहुत कम हुई है। दूसरे, केंद्र सरकार ने देश में आधारभूत संरचना को विकसित करने के लिए भारी भरकम राशि का पूंजीगत खर्च किया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की गई थी एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपए की राशि इस मद पर खर्च की जा रही है। भारत में सड़क, रेल्वे एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विकास पर 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का पूंजीगत खर्च आगे आने वाले समय में किये जाने की योजना बनाई गई है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच आधारभूत संरचना के विकास हेतु 70 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किया गया था परंतु वर्ष 2024 से 2030 के बीच 143 लाख करोड़ रुपए की राशि का पूंजीगत खर्च किए जाने की योजना बनाई जा रही है। तीसरे, भारत में केंद्र सरकार ने गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों को कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करने की भरपूर कोशिश की है, जिसका परिणाम इस वर्ग की संख्या में भारी भरकम कमी के रूप में देखने को मिला है। और फिर, अब तो यह वर्ग मध्यम वर्ग की श्रेणी में शामिल होकर भारत में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में सहायक की भूमिका निभा रहा है, जिससे देश में ही विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में भारी वृद्धि हो रही है।

इसी प्रकार, विश्व के सबसे बड़े ऑफिस कॉम्प्लेक्स का निर्माण भारत में गुजरात राज्य के सूरत शहर में किया गया है। इस ऑफिस कॉम्प्लेक्स में 4,500 से अधिक हीरा व्यवसाईयों के कार्यालय स्थापित किए गए हैं। इस कॉम्प्लेक्स में कच्चे हीरे के व्यापारियों से लेकर पोलिश हीरे की बिक्री करने वाली कम्पनियों के ऑफिस एक ही जगह पर स्थापित किए जाएंगे। सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग के नाम से इस कॉम्प्लेक्स, जो 67 लाख वर्गफुट से अधिक के क्षेत्र में फैला है, का उद्घाटन दिसम्बर 2024 माह में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सम्पन्न हुआ है। यह कॉम्प्लेक्स अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन के मुख्यालय भवन से भी बड़ा है, पेंटागन के मुख्यालय को आज तक विश्व में सबसे बड़ा भवन माना जाता रहा है। इस तरह के कई व्यावसायिक केंद्र भारत में विकसित हो रहे हैं।

विश्व के अन्य देश मुद्रा स्फीति की समस्या से पिछले कुछ वर्षों से लगातार जूझते रहे हैं परंतु भारत ने इस समस्या पर भी नियंत्रण प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। जुलाई 2023 में भारत में खुदरा महंगाई की दर 7.44 प्रतिशत थी जो अक्टोबर 2023 में घटकर 4.87 प्रतिशत पर नीचे आ गई है। अब तो शीघ्र ही भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में कमी की घोषणा कर सकता है जिससे देश में ब्याज की दरें कम होना शुरू होंगी इससे निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था में और अधिक तेजी की सम्भावना बनेगी।

आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था को यदि किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है तो वह आंतरिक समस्या न होकर वैश्विक स्तर की समस्या के कारण होगी। क्योंकि, कुछ देशों, विकसित देशों सहित में मंदी की सम्भावनाएं बन रही हैं। दूसरे, रूस यूक्रेन युद्ध, हम्मास इजराईल युद्ध, चीन का अपने पड़ौसी देशों से टेंशन, यूरोपीयन देशों के आपसी झगड़े, कुछ ऐसे बिंदु हैं जो भारत की विकास दर को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकते हैं। यदि इन्हीं समस्त कारणों से कुछ विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित होती हैं तो भारत से विभिन्न उत्पादों का निर्यात भी कम होगा, आयात होने वाली वस्तुओं की लागत बढ़ेगी, इस प्रकार की समस्याएं खड़ी हो सकती हैं जो भारत को भी आने वाले समय में परेशान करें। दूसरे, कुछ प्राकृतिक कारण भी जैसे मानसून का उचित समय पर नहीं आना अथवा कम बारिश होना, जैसी कुछ समस्याएं भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए परेशानी का कारण बन सकती हैं। अन्यथा पिछले लगभग 10 वर्ष का समय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए स्वर्णिम काल कहा जाना चाहिए और आगे आने वाले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था नई ऊचाईयों को छूने के लिए तैयार है। उदाहरण के लिए यह इतिहास में पहली बार होने जा रहा है कि भारतीय शेयर बाजार वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2023 तक लगातार 8 वर्षों तक निवेशकों को लाभ की स्थिति प्रदान करता रहा है। दूसरे, अमेरिकी वित्तीय संस्था लीहमन ब्रदर्स के वर्ष 2008 में टूटने के बाद भारत का निफ्टी एवं चीन का शंघाई शेयर बाजार 3000 के अंकों पर थे, परंतु आज भारत का निफ्टी 21800 अंकों के ऊपर पहुंच गया है और चीन का शंघाई शेयर बाजार अभी भी 3000 अंकों पर ही बरकरार है। लगभग समस्त देशों के निवेशक आज भारतीय शेयर बाजार के प्रति अत्यधिक भरोसा जताए हुए हैं और आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 60,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अभी हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी किया है। इसमें भारत के प्रति मुख्य रूप से तीन बातें कही गई हैं। प्रथम, भारत आज विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। दूसरे, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करेगा।

प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक,
भारतीय स्टेट बैंक

संस्कारों का निर्वहन क्यों जरूरी

बाल्यकाल में पड़े संस्कार मन के स्लेट से कभी मिटते-छूटते नहीं हैं। समय के साथ-साथ बेशक कुछ धूमिल होने लगें, परंतु मन से कभी उतरते-हटते नहीं हैं। संस्कार माने क्या? कोई भी अच्छा विचार, अच्छा कार्य, अच्छी आदतें, अच्छी शिक्षा, अच्छी सीख को ही संस्कार कहते हैं। वैसे, संस्कारों को सही-सही परिभाषित करना कठिन है, फिर भी मोटे तौर पर इसे शुद्धिकरण कह सकते हैं। शिशु जिस परिवार, समाज और परिवेश में जन्म लेता है, पलता-बढ़ता है, उस परिवार, समाज के जो भी रीति-रिवाज, धर्म-कर्म, नैतिक-अनैतिक कार्य होते हैं, वे उसके बालमन पर जिस प्रकार से प्रभाव डालकर जड़ें जमाते हैं, वही संस्कार हैं। वह उन संस्कारों को फिर जीवन पर्यन्त नहीं भूलता है। वैसे, किसी भी प्रकार के संस्कार व्यक्ति तथा परिवार विशेष और सबसे बढ़कर, समाज विशेष के सामाजिक क्रियाकलापों, गतिविधियों, सोच और उनके व्यावहारिक पहलू पर निर्भर करता है। संस्कार अच्छे ही हों, यह आवश्यक भी नहीं है। संस्कार निम्न और बुरे भी हो सकते हैं। परंतु हमारा ध्येय अच्छे संस्कारों, गुणों तथा उनके व्यावहारिक पक्ष की ही विवेचना करने पर केंद्रित है। हिंदू धर्म में वैसे सोलह संस्कारों का वर्णन है।

हम इनकी गहराई में न जाकर, केवल एक संस्कार पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं। मुझे अपना बचपन याद आता है। जब हम छोटे-छोटे 5-6 वर्ष के बच्चे थे, तब हमारे गांव में, कुटुंब में, परिवार में यदि किसी की मृत्यु हो जाती थी, तो मृतक की अंतिम संस्कार यानी अंत्येष्टि से संबंधित सभी प्रकार की क्रियाओं, अनुष्ठानों को विधिवत सम्पन्न करने के पश्चात ही उसे शमशानघाट को ले जाते थे। यहां इसे कर्मकांड लिखना उचित नहीं लग रहा है। शमशानघाट को ले जाने से पूर्व, बाजगी (डोम) और भाट (चार्ज) दोनों की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती थी। बजंतरी तथा भट्ट द्वारा मृतक की आत्मा की शांति व मोक्ष के प्रयोजन से बाजे की धुन पर वैदिक मंत्रोच्चार, प्रार्थना करने के उपरांत ही अर्थी सजाकर मशान की ओर ले जाते। जिस घर-परिवार में किसी की जब मृत्यु हो जाती, तो घर के लोग, परिजन, रक्त संबंधी दाह संस्कार हेतु ले जाने के पश्चात घर को गौमूत्र, गंगा जल पानी में मिलाकर, उसे छिडक़ कर उस पानी से घर को स्वच्छ करते। स्वयं भी ऐसे जल से ही स्नान करते। वस्त्र धोते। जो अर्थी के साथ जाते थे, अंतिम संस्कार संपन्न होने के पश्चात वे भी घर के बाहर ही गंगा जल, गौमूत्र वाले पानी से स्नान करते। पहने वस्त्र धोते। इन प्रक्रियाओं को निष्पादित करने के पश्चात ही उनकी शुद्धि मानी जाती थी। इसके बाद ही घर के भीतर प्रवेश करते थे। इन प्रक्रियाओं को पूरा करने से पहले जल तक नहीं पीते। किसी प्रकार के अन्न ग्रहण करने का तो सवाल ही नहीं। हिंदुओं में यह चलन अथवा परिपाटी आज भी यथावत जारी है।

केवल बाजगियों की उपस्थिति धीरे-धीरे खत्म हो रही है। ठंडे प्रदेशों, इलाकों में बाहर बेशक बर्फ पड़ रही हो, पानी जम रहा हो, लेकिन ऐसी विकट परिस्थितियों के बावजूद स्नान करना, वस्त्र धोना अनिवार्य होता है। इन क्रियाओं के बिना अशुद्धि माना जाता है। निर्जीव देह को हाथ लगाने, छूने वाले सभी को स्नान करना ही पड़ता है। क्योंकि मृतक और उसको स्पर्श करने वाले सभी को अशुद्ध समझा जाता है। स्थानीय बोली में कहें, तो इसे जूठा मानते हैं। पुराने समय में जब मुर्दे को दाह संस्कार हेतु शमशानघाट को ले जाते थे, तो साथ चलने वाले सभी पैदल ही चलते थे। उनके संपर्क में कम ही लोग आते थे। किसी से छूना आदि बहुत कम होता था। इसलिए नहाने-धोने की प्रक्रिया सहज और सरल थी। परंतु बदलते समय के साथ-साथ, आधुनिक समय में आवागमन की बहुत सुविधाएं उपलब्ध हैं। अर्थी को कंधा देने वाला या साथ चलने वाला, शव वाहन में साथ बैठने वाला, कोई भी व्यक्ति पब्लिक ट्रांसपोर्ट अथवा किसी भी प्रकार के वाहन से जाता-आता है। वह तो मृतक के साथ छुआ ही होता है। अपने आपको अशुद्ध मानता है। वापस घर लौटने पर, गंगाजल, गौमूत्र छिडक़कर तथा इन्हें पानी में डालकर नहाता-धोता है। इसके बाद ही घर में प्रवेश करता है। लेकिन जब किसी सार्वजनिक वाहन, उदाहरण के लिए बस में बैठकर आता है, तो अन्य सवारियों से स्पर्श-संपर्क में आता ही आता है। सहयात्रियों से स्पर्श हो जाना स्वाभाविक है। ऐसे में, बस में सवार अन्य यात्री अशुद्ध नहीं हो जाते होंगे? वैसे ही हरिद्वार, काशी अथवा अन्य धार्मिक स्थलों, नदी संगमों में कलशों में रखी अस्थियां विसर्जन के लिए बस, ट्रेन इत्यादि से यात्रा करते हैं। ऐसे में अन्य सहयात्री उनके संपर्क में आने से अशुद्ध माने जाएंगे? हालांकि यह बहुत ही निजी किस्म का, लेकिन अत्यंत संवेदनशील अथवा नाजुक मुद्दा है। परंतु मन में यह प्रश्न निरंतर घुमड़ता है। बचपन में पड़े संस्कार इसीलिए जीवन पर्यन्त मन के भीतरी तहों में मौजूद रहते हैं। हमें उन संस्कारों को निभाने में ही संतुष्टि व पूर्णता का अहसास या अनुभव होता है। मन में तसल्ली होती है। इसे नैतिक-अनैतिक से परे रखकर, आप धर्मभीरू व्यक्ति अथवा समाज की सोच और संस्कार भी कह सकते हैं। दूसरे शब्दों में यही आस्था का प्रतीक है।

वास्तविकता भी यही है। हिंदू धर्म से इतर किसी अन्य धर्मावलंबियों में मृतक को स्पर्श करने, अथवा किसी भी अन्य व्यक्तियों के ध्यान-स्नान, खानपान, रहने-सोने की ऐसी कोई परिपाटी संभवत: नहीं है। हां, जैन व सिक्खों में भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति है। हिंदुओं में रक्त संबंधों, वंशजों के अवसान पर, उस स्थान अथवा अवसर विशेष पर उपस्थित नहीं होने के बावजूद, दूर प्रवास करने वाले स्वजनों द्वारा स्नान करना एक अनिवार्य संस्कार है। ऐसा कोई भी व्यक्ति, चाहे महिला या पुरुष, देश के किसी भी कोने अथवा विदेश में ही क्यों न रह रहा हो, अपने सगे संबंधी के निधन पर स्नान कर, मृतक के प्रति आत्मिक संवेदनाएं व्यक्त करने व श्रद्धांजलि देने की रीति है। इस प्रचलन की मूल भावना दिवंगत के प्रति सम्मान प्रकट करना व अपने को उससे अभिन्न मानने का विचार अथवा सोच प्रमुख है। बचपन में पड़े ऐसे संस्कार हमेशा मन में बसे रहते हैं। ऐसे व्यक्ति फिर चाहे कहीं भी रहें, कितनी भी उम्र हो जाए, इन संस्कारों का पालन, निर्वहन अपरिहार्य रूप से करते हैं।

हर व्यक्ति, चाहे देश के किसी भी कोने अथवा विदेश में ही क्यों न रह रहा हो, अपने सगे संबंधी के निधन पर स्नान कर, मृतक के प्रति आत्मिक संवेदनाएं व्यक्त करता है। इसमें मूल भावना दिवंगत के प्रति सम्मान प्रकट करना व अपने को उससे अभिन्न मानने का विचार प्रमुख है।

शेर सिंह
साहित्यकार

राशिफल

पौष कृष्ण-पंचमी (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य रम गरम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शासन-सत्ता पक्ष की तिरछी नजर आप पर है। बच्चों में दूरी, प्रेम-संतान में दूरी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
भूमि-भवन वाहन की खरीदारी संभव है। गृहकलह के भी संकेत है। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम अच्छा व व्यापार भी अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यापारिक उत्थान होगा। स्वास्थ्य की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है। प्रेम-संतान ठीक है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पूंजी का निवेश न करें। जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे न लगाएं। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
सितारों की तरह चमकते दिखाई पड़ रहे हैं। शुभता के प्रतीक बने हुए हैं। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अद्भभुत दिख रहा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
घर की स्थिति का तापमान बढ़ाया हुआ है। कलहकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आर्थिक मामले सुलझेंगे। अच्छे समाचार की प्राप्ति होगी। कुछ संपन्नता की ओर जाएंगे।

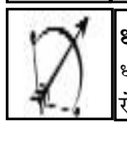

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
धनु राशि की स्थिति शासन सत्ता पक्ष में अच्छी है। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भाग्य साथ देगा। यात्रा में लाभ होगा। धार्मिक बने रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि पर सपाईयों ने दी श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रविवार को सूरजपुर स्थित समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर समाजवादी चिंतक लोक बंधु राजनारायण की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई एवं उनके जीवन पर विचार गोष्ठी का आयोजन कर उन्हें याद किया।

इस मौके पर लोकबंधु राजनारायण के जीवन पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि राज नारायण ऐसे प्रखर समाजवादी चिंतक एवं स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने हमेशा किसान मजदूर शोषित वर्ग के हितों के लिए संघर्ष किया और उनके हकों की आवाज को सड़क से लेकर सदन तक बुलन्द किया।

उन्होंने गरीबों पर हो रहे अन्याय का पुरजोर विरोध किया, जिसके लिए उन्हें अस्सी बार जेल तक जाना पड़ा। राज परिवार में जन्म लेने के बावजूद भी उन्होंने फकीर जैसी जिंदगी को जिया और अपना सब कुछ गरीब असहायों की सेवा में समर्पित कर दिया।

इस मौके पर मुख्य रूप से इस मौके पर मुख्य रुप से लोकसभा प्रभारी बीरसिंह यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता महेश आर्य, डॉ महेंद्र नागर, जिला महासचिव सुधीर तोमर, युनस प्रधान, श्याम सिंह भाटी, उपदेश नागर, अधिवक्ता सभा के राष्टीय सचिव रामशरण नागर एडवोकेट, महेश भाटी, राव संजय भाटी, अकबर खान, अक्षय चौधरी, विनोद लोहिया, सुनील बदौली, प्रवीण भाटी, संजीव नागर, आजाद नागर, जुगती सिंह, विक्रम टाइगर, हरवीर प्रधान प्रशांत भाटी, विक्रांत चौधरी, मंदीप भाटी, उपेंद्र यादव, सुधांशु यादव, दलमीर खान आदि मौजूद रहे।

किसानों की हुई पंचायत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 22 जनवरी को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के विरुद्ध होने वाले प्रदर्शन को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा ने गांव-गांव पंचायत घोड़ी गांव में हुई।

घोड़ी गांव के ऐतिहासिक मंदिर के प्रांगण में बड़ी संख्या में किसान सभा के लोग व ग्रामीण एकत्रित हुए। पंचायत की अध्यक्षता प्रधान तेजपाल रावल ने व संचालन किसान सभा के जिला सचिव निशांत रावल ने किया।

पंचायत को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला महासचिव जगबीर नंबरदार ने कहा कि यदि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण 21 जनवरी तक किसानो के 10 प्रतिशत प्लॉट को शासन से मंजूर नहीं कराता है तो 22 जनवरी से क्षेत्र के किसान पुनः अपने धरने को उसी स्थान पर अनिश्चित काल के लिए शुरू कर देंगे,उन्होंने बताया कि आंदोलन की तैयारी के लिए हमने गांव-गांव जाकर पंचायत कर लोगों से अपील करने के कार्यक्रम शुरू कर दिये है,गांव-गांव पंचायत के कार्यक्रम की शुरुआत आज घोड़ी गांव से की गई है घोड़ी गांव से पूर्व में भी आंदोलन को सहयोग व समर्थन मिलता रहा है और आज भी घोड़ी गांव ने हमें आश्वस्त किया है कि गांव हर तरह से किसान सभा के साथ है।

जेल प्रीमियर लीग में जेल वॉरियर ने जीता फ़ाइनल मुक़ाबला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

जेलर जे पी तिवारी ने बताया कि जिला कारागार गौतमबुद्धनगर में चल रही जेल प्रीमियर लीग में फाइनल मैच खेला गया।

फाइनल मैच जेल वॉरियर व नंबरदार इलेवन के बीच खेला गया । जिसमें जेल वॉरियर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 162 रन का लक्ष्य दिया और नंबरदार इलेवन मात्र 126 रन पर ही सिमट गई । जिसमे जेल वॉरियर ने 35 रन से जीत हासिल की।

मैन ऑफ़ द मैच रोहित , बेस्ट बल्लेबाज़ रोहित, बेस्ट बॉलर हरिओम , प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट नवनीत शर्मा रहे।

इस अवसर पर जेलर जितेंद्र प्रताप तिवारी , विशिष्ट अतिथि मुकुल गोयल , मनोज गौतम ,डिप्टी जेलर मुकेश प्रकाश ,राम प्रकाश शुक्ला व मनोरमा सिंह आदि उपस्थित रहे।

भाकियू की हुई मासिक बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाकियू (अम्बावता) की बाबा फार्म हाउस हबीबपुर में जिला अध्यक्ष अनिल नागर के नेतृत्व में एक मासिक मीटिंग हुई जिसकी अध्यक्षता राजेंद्र प्रधान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने की। संचालन किसान नेता राजकुमार रूपबास तहसील अध्यक्ष दादरी ने की जिसमें सभी ने वारी-वारी से अपने अपने विचार रखें।

किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा हुई जिसमें जिला अध्यक्ष अनिल नागर ने कहा कि सभी अंबावता संगठन के पदाधिकारी 10,11 एवं 12 जनवरी को इलाहाबाद अधिवेशन के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचे अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के सपनों को साकार करना है क्योंकि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि पाल अंबावता का भी कहना है कि हर चीज बर्दाश्त है लेकिन किसानों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं है।

इस मौके पर किसान नेता राजकुमार रूपवास तहसील अध्यक्ष दादरी सुरेश प्रधान तहसील संयोजक मनोज भाटी नगर अध्यक्ष दादरी अजब सिंह भाटी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोहित कसाना नगर उपाध्यक्ष राजेंद्र नागर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक भाटी पूर्व जिला अध्यक्ष जितेंद्र कुमार तहसील अध्यक्ष सदर प्रदीप नागर अजविंदर नागर युवराज नागर बाबू हबीबपूर जयंती प्रसाद आदि मौजूद थे।

जेवर विधायक ठा. धीरेन्द्र सिंह का स्वागत करते हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष चैनपाल प्रधान।

धरने की चेतावनी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मैसर्स- मानी ताऊ इक्यूपमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड प्लॉट नंबर- 22, उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा के प्रबंधकों की हठधर्मिता व मनमानी से कर्मचारी नाराज हैं और धरना देने की चेतावनी दी है।

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि यदि कंपनी प्रबंधकों द्वारा किसी भी कर्मचारी को ड्यूटी से रोका जाएगा तो संस्थान स्तर पर हमारा संगठन बड़ा आंदोलन करेगा। साथ ही उन्होंने श्रम विभाग व जिला प्रशासन से मानी ताऊ कंपनी के विवाद के समाधान हेतु तुरंत हस्तक्षेप करने की अपील किया ताकि संस्थान में औद्योगिक श्रम शांति बनी रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने निकाली पीडीए पदयात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर पीडीए का नारा दिया है जिसको लेकर सपा कार्यकर्ताओं ने हैप्पी पंडित के नेतृत्व में रॉयल रेजिडेंस कॉलोनी में पदयात्रा निकालकर जन जागरण अभियान चलाया मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे विपिन सेन ने कहा पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक की एकता ही भाजपा को हराएगी।

जाति जनगणना समाजवादी पार्टी का मुख्य मुद्दा है सामाजिक न्याय जाति जनगणना के बगैर नहीं मिल सकता हैप्पी पंडित ने कहा सपा कार्यकर्ता लगातार जन जागरण के कार्यक्रम करते रहेंगे। 2024 के चुनाव में भाजपा हटाओ के नारे के साथ जनता के बीच जाएंगे।

इस मौके पर प्रमुख रूप से दीपक नगर पूर्व महासचिव नवीन भाटी विजय यादव,राहुल यादव,सुरेश यादव,संदीप सैन सौरभ नगर गौरव नगर प्रशांत प्रजापति अंकित प्रजापति प्रतीक भाटी बबली मोनू नागर अजीत सेन आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोधना पहुंची संकल्प यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

विकसित भारत संकल्प यात्रा जेवर के गाँव गोधना एवं भगवतपुर में पहुंची दोनों जगह मुख्य अतिथि जेवर के विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह रहे उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मोदी की गारंटी वाली यात्रा पूरे देश में चल पड़ी है। उज्जवला गैस योजना, आयुष्मान योजना, पीएम विश्वकर्म योजना, वृद्धावस्था पेंशन, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन ऐसी अनेकों योजनाओं से सीधे-सीधे आम जनता को लाभ हो रहा है।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सतेंद्र नागर योगेश चौधरी मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा विकास चेरोली चंद्रमणि भारद्वाज रोहित ठाकुर नोएडा अधिकारी जितेंद्र सिंह गौड़ उस्मान अहमद चंद्रमणि भारद्वाज अमित पंडित आदि सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भाजपाईयों ने सुनी मन की बात

भदोही (चेतना मंच)। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में 'मन की बात' विधानसभा भदोही के अंतर्गत विद्यालय परिसर एच.आर.डी. परिसर में सुनी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद प्रवासी पूरे कार्यक्रम की मन की बात का मॉनिटरिंग कर रहे अवधेश सिंह सारथी उपस्थित रहे तथा संचालन गोवर्धन राय जिला मीडिया प्रभारी ने किया।

इसके पूर्व जनपद में लगभग सभी बूथों पर मन की बात सुनी गई इस पूरे कार्यक्रम के सहसंयोजक मनीष पांडेय के देखरेख में संपन्न हुआ मनीष पांडेय ने लगातार कई दिनों से इस कार्यक्रम को सफल करने के लिए रात दिन मेहनत कर रहे थे।

इसी क्रम में उपस्थित कर्म राज प्रधान शिवशंकर दुबे राधेश्याम जयसवाल तहसीलदार तिवारी मुनिब मिश्रा विनोद मिश्रा बबलू दुबे राजापाल पटेल कल्पना मिश्रा शिवप्रसाद प्रजापति श्याम बिहारी पटेल आशीष मिश्रा पप्पू तिवारी शारदा सिंह संजय सिंह कमलेश पटेल अनुराग शिवम आदि भाजपा समर्पित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

नोएडा में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी की बड़ी कार्रवाई, 2 आयुर्वेदिक औषधियों के नमूने जांच को लखनऊ भेजे

नोएडा। नोएडा में नकली, भ्रामक व मिलावटी आयुर्वेदिक व यूनानी औषधियों की भनक मिलने के बाद आज क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पाशन मेडिकल एजेंसी सेक्टर-66 का औचक निरीक्षण किया।

यहां कुछ आयुर्वेदिक औषधियों पर संदेह मिलने पर 2 आयुर्वेदिक औषधियों के नमूने जांच के लिए लखनऊ भेज दिया है। इस कार्रवाई से नोएडा के अन्य मेडिकल संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। जनपद गौतमबुद्धनगर के डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर नकली, भ्रामक व मिलावटी आयुर्वेदिक व यूनानी औषधियों के विक्रय पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आज क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी धर्मेंद्र कुमार केम ने पाशन मेडिकल एजेंसी सेक्टर 66 नोएडा से 2 आयुर्वेदिक औषधियों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किये। उन्होंने बताया कि संग्रहित किए गए नमूने परीक्षण के लिए राजकीय लैबोरेट्री लखनऊ भेजे गए हैं।

लैबोरेट्री रिपोर्ट आने के उपरांत आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि आगे भी जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में नकली, भ्रामक, मिलावटी आयुर्वेदिक व यूनानी औषधियों के विक्रय पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

भारत का इजराइल से दोस्ती का पैगाम, अब भारत के श्रमिकों को मिलेगा इजराइल में काम

गाजियाबाद। भारत अब इसराइल को दोस्ती का एक और पैगाम दे रहा है और इजरायल व भारत की इस दोस्ती का सबसे बड़ा मुख्य केंद्र गाजियाबाद बना है। गाजियाबाद के रहने वाले श्रमिकों को इजराइल में रोजगार मिलेगा और सबसे बड़ी बात यह है कि इसराइल जाने के लिए मजदूरों को अधिक से अधिक मात्रा में चिह्नित किए जाने का काम गाजियाबाद के श्रम आयुक्त कमिश्नर अनुराग मिश्र को दिया गया है जो श्रम विभाग की की तरफ से अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा निरंतर किया जा रहा है।

गाजियाबाद श्रम आयुक्त अनुराग मिश्र ने बताया कि इसराइल में कार्य करने के लिए 2000 के लगभग राजमिस्त्री 3000 मजदूर और 3000 आयरन वेल्डिंग करने वाले मजदूर और 2008 पत्थर टाइल्स लगाने वाले मजदूरों की जरूरत है। इजराइल जाकर काम करने के इच्छुक मजदूर अपना आवेदन गाजियाबाद के लोहिया नगर श्रम कार्यालय में दे रहे हैं और श्रमिकों की आयु 21 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए और कम से कम उनको 3 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इसके साथ-साथ इसराइल जाने वाले श्रमिकों को अपना पासपोर्ट स्वयं बनवाना होगा। श्रम विभाग कमिश्नर ने बताया कि गाजियाबाद से लगभग 200 मजदूरों का रजिस्ट्रेशन हुआ है जो मजदूर गाजियाबाद से जाएंगे उनको लगभग 1 लाख 25000 रुपए से ज्यादा की प्रति माह सैलरी मिलेगी। इसके साथ-साथ उन्हें मेडिकल, इंश्योरेंस और प्रवासी भारतीय जीवन बीमा का भी लाभ मिलेगा।

कोविड के नए वेरिएंट ने मचाया आंतक, AIIMS ने जारी किए खास निर्देश

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 692 नए केस सामने आए हैं।हर घंटे देश में कोविड के 28 नए केस मिल रहे हैं। एक्टिव केस 4097 हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड से 6 लोगों की जान गई है। इनमें से दो महाराष्ट्र, एक-एक कर्नाटक, दिल्ली, केरल और पश्चिम बंगाल में हुई है। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को कोरोना के दो नए मामले सामने आए। दोनों संक्रमित मरीजों के नमूने जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेज दिए गए हैं। इसमें यह पता लगाया जाएगा कि कहीं वे कोरोना के सब-वेरिएंट जेएन.1 से संक्रमित तो नहीं हैं। वहीं, दिल्ली एम्स के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. संजीव लालवानी ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारी की गई है। डॉ. लालवानी ने कहा कि कल हमारे पास दो कोविड-19 मरीज थे। हमने आपात स्थिति के लिए पर्याप्त इंतजाम किए हैं। हमारे पास सभी परीक्षण सुविधाएं हैं। मेरे माइक्रोबायोलॉजी विभाग के तहत, हमने एक स्क्रीनिंग सुविधा और आपातकालीन सुविधा एक साथ शुरू की है और हमने एक नए निजी वार्ड में 12 बिस्तरों की व्यवस्था की है डॉ. लालवानी ने कहा, 'जैसे-जैसे पॉजीटिव मामलों की संख्या बढ़ रही है, हम बिस्तरों की संख्या सहित तमाम सुविधाओं को बढ़ाएंगे। हमने सभी विभागों, विशेष रूप से क्लिनिकल डिपार्टमेंट से कहा है कि यदि कोई व्यक्ति कोविड से संबंधित लक्षणों के साथ उनके वार्ड में आ रहा है, तो उसका उसी वार्ड में अलग-थलग रखकर इलाज किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने दवाओं, पीपीई किट और अन्य वस्तुओं की भी पर्याप्त व्यवस्था की है, जो कोविड मरीजों के प्रबंधन के लिए आवश्यक हैं।

नए साल में मुफ्त कोचिंग फिर शुरू करेगी दिल्ली सरकार

आईएएस अफसर-डॉक्टर और इंजीनियर बनने का सपना होगा पूरा

नई दिल्ली। कोरोना काल से बंद जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना को नए साल में रीलान्च करने की तैयारी है। दिल्ली सरकार इसमें कुछ बदलाव कर रही है, जिसे कैबिनेट मंजूरी के बाद दोबारा छात्रों के लिए शुरू किया जाएगा।

योजना के तहत निजी कोचिंग संस्थान में मुफ्त कोचिंग के साथ छात्र को 2500 रुपये का मासिक वजीफा भी दिया जाएगा, जिसका उपयोग छात्र यात्रा व अध्ययन सामग्री की खरीद के लिए कर सकता है। इसमें प्रोत्साहन राशि भी जोड़ने की योजना है।

छात्रों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। बदलाव के साथ जल्द ही इसे कैबिनेट में लाया जाएगा। कोरोना के बाद दोबारा यह योजना शुरू करने की कोशिश की गई थी, लेकिन फंड रुक जाने के कारण योजना आगे नहीं बढ़ पा रही थी।अब इस तरह का सिस्टम

बनाया जा रहा है कि फंड नहीं रुकने पाए।

इन परीक्षाओं के लिए कर सकते हैं तैयारी

इस योजना के तहत अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और जिस परिवार की वार्षिक आय आठ लाख रुपये से कम है, वे भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।इन श्रेणियों से संबंधित मेधावी छात्र जेईई, एनईईटी, सीएलएटी, सिविल सेवा,बैंकिंग,रेलवे व एसएससी आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निजी संस्थानों से मुफ्त कोचिंग प्राप्त कर सकते हैं।

निजी कोचिंग संस्थानों में मिलेगी मुफ्त कोचिंग

योजना के तहत कई छात्र आइएएस अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील व बैंकर आदि बनने का सपना देखते हैं, लेकिन इसके लिए प्राइवेट कोचिंग की आवश्यकता होती है। कई बच्चों के माता-पिता सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं, जिसकी वजह से बच्चे प्राइवेट कोचिंग से वंचित रह जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने जय भीम मुख्यमंत्री प्रतिभा विकास योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत छात्रों को पैनल में शामिल निजी कोचिंग संस्थानों से मुफ्त कोचिंग मिलेगी। यदि कोई छात्र किसी गैर-सूचीबद्ध संस्थान में भी प्रवेश लेना चाहता है तो उसे अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग को एक आवेदन भेजना होगा। अच्छे कोचिंग संस्थानों को सरकार जोड़ेगी।

बैंक के धन की हेराफेरी के मामले में यूनियन बैंक प्रबंधक को पांच साल की कैद, 10 लाख 76 हजार जुर्माना

नई दिल्ली। बैंक के धन की हेराफेरी मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के विशेष न्यायाधीश, चेन्नई (तमिलनाडु) की अदालत ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के तत्कालीन प्रबंधक के. भास्कर राव को 10.76 लाख रुपये के जुर्माने के साथ पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उनकी पत्नी के शैलजा को 37,000 रुपये के जुर्माने के साथ तीन साल की सजा सुनाई है। जांच के बाद सीबीआई ने 9 अगस्त, 2010 को आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। ट्रायल कोर्ट ने दोनों आरोपितों को दोषी करार दिया। सीबीआई ने 31 जून, 2009 को आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2007-09 के दौरान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सोकार्पेट शाखा, चेन्नई में प्रबंधक के रूप में और शाखा के अग्रिम विभाग की देखभाल करते हुए उन्होंने बैंक के साथ धोखाधड़ी की और बैंक के धन की हेराफेरी की। उन्होंने अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए अलग-अलग तौर-तरीके अपनाए और अपनी यूजर आईडी और बैंक के अन्य अधिकारियों की यूजर आईडी का उपयोग करके बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) में प्रविष्टियों में हेरफेर किया। आरोपित ने जमा राशि के बदले फर्जी ऋण बनाकर निष्क्रिय एसबी खातों को फिर से सक्रिय करने जैसे अनधिकृत लेनदेन भी किए और अपने और अपनी पत्नी के नाम पर शेयरों पर विभिन्न निवेश कंपनियों के साथ पैसा निवेश किया। इससे बैंक को 4,10,81,000/- रुपये का नुकसान हुआ। बैंक द्वारा 3,12,32,000/- रुपये की वसूली की जा चुकी है और 98,49,000 रुपये की राशि बकाया थी।

सामूहिक दुष्कर्म जैसे मामले में साक्ष्य न मिलने से खत्म हो जाएगी न्याय की उम्मीद- दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सुबूतों की अहमियत पर जोर देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऐसे मामलों में साक्ष्य न मिलने से न्याय की उम्मीद खत्म हो जाएगी। निचली अदालत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी की कमी, देरी और न्यायालयों के तकनीकी दृष्टिकोण के कारण एक बार जोर साक्ष्य नष्ट हो जाते हैं, वो हमेशा के लिए खो जाते हैं। सीसीटीवी फुटेज को संरक्षित करने की पीड़िता की मांग को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि किसी भी आपराधिक मामले में घटना की तारीख महत्वपूर्ण होती है।

सीसीटीवी फुटेज संरक्षित करने का दिया आदेश

ऐसे में निचली अदालत द्वारा

सुबूतों को संरक्षित करना उतना ही महत्वपूर्ण था, जितना ही न्यायिक व्यवस्था में उसके विश्वास को बचाना था।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए अदालत घटना के दिन दो मई 2023 के याचिकाकर्ता के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज संरक्षित करने का अदालत आदेश देती है।

कड़ाके की ठंड से कांपी दिल्ली, कोहरे के कारण देरी से चल रहीं 23 ट्रेनें

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लोगों को साल के आखिरी दिन शीतलहर की एक और सुबह का सामना करना पड़ा। पहाड़ों में हो रही बर्फबारी का असर दिल्ली-एनसीआर के मौसम पर देखने को मिल रहा है। यहां तापमान में गिरावट लगातार दर्ज की जा रही है। लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र, सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, कोहरे का असर रेलवे और हवाई सेवाओं पर पड़ रहा है। कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 23 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। रेल और हवाई सेवाओं में देरी के वजह से यात्रियों को रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट में घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। आईएमडी ने कहा है कि जनवरी 2024 के पहले सप्ताह में

पारा और गिर जाएगा, राष्ट्रीय राजधानी में सफदरजंग वेधशाला में तापमान 10 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 30 ट्रेनें और 100 के करीब हवाई उड़ानों पर कोहरे का असर पड़ा। इसमें 20 अंतरराष्ट्रीय उड़ान भी शामिल है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय अधिकतम तापमान 19 डिग्री व न्यूनतम तापमान 11 डिग्री के आसपास रह सकता है। सोमवार तक पारा गिरेगा, इसके बाद तापमान में बढ़त की उम्मीद है। दिल्ली का नरेला सबसे अधिक ठंडा रहा। यहां का अधिकतम तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि लोधी रोड और रिज क्षेत्र में न्यूनतम तापमान सबसे कम 11 डिग्री दर्ज किया गया।

जामा मस्जिद में मुस्लिमों ने सुनी पीएम मोदी के 'मन की बात', की गई स्पेशल ब्रॉडकास्टिंग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का आज 108वां एपिसोड प्रसारित हुआ। जिसका प्रसारण आकाशवाणी सहित अन्य प्लेटफॉर्म पर हुआ। भारतीय अल्पसंख्यक फाउंडेशन ने 'मन की बात' के 108वें एपिसोड का विशेष प्रसारण महिला पार्क, जामिया मस्जिद, पुरानी दिल्ली में आयोजित किया। पीएम मोदी के 'मन की बात' के कार्यक्रम को सुनने के बाद वहां मौजूद शबाना रहमान ने कहा, 'हम सभी यहां पीएम मोदी के 'मन की बात' सुनने के लिए एकत्र हुए हैं। हम सभी पीएम मोदी का समर्थन करते

हैं। हमें विशेष सुविधाएं दी गईं, चाहे वह 'तीन तलाक' हो या कोई अन्य मुद्दा, किसी अन्य पार्टी ने ऐसा नहीं किया है। पीएम मोदी ने हमारे लिए बहुत कुछ किया है। वह हमारे 'भाईजान' की तरह हैं...'वहीं, नवाब कुरेशी ने कहा, 'मैं महीने के हर आखिरी रविवार को पीएम मोदी की 'मन की बात' सुनता हूं...हमारा देश तीव्र गति से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। पिछले 9.5 वर्षों में, पीएम मोदी के नेतृत्व में, देश में मुसलमान प्रगति कर रहे हैं और खुश हैं...'

11 विदेशी भाषाओं में होता है प्रसारण

'मन की बात' कार्यक्रम 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू, फारसी सहित 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित किया जाता है। यह कार्यक्रम आकाशवाणी के 500 से अधिक केंद्रों से प्रसारित होता है।

वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की ब्रेजा कार बरामद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की ब्रेजा कार बरामद की है। आरोपी फर्जी नंबर प्लेट लगाकर ब्रेजा कार को चला रहा था। इसके अलावा पुलिस ने तमंचा व शराब के साथ दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी देवेंद्र शंकर पांडे ने बताया कि पुलिस ने चेकिंग के दौरान सिरसा गोल चक्कर के पास एक ब्रेजा कर सवार को जांच के लिए रोका। पुलिस के मांगने पर चालक कागजात नहीं दिखा पायी। सख्ती से पूछताछ करने पर उक्त व्यक्ति ने कबूल किया की ब्रेजा कर चोरी की है। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम आमिर पुत्र सलीम निवासी अशोकनगर शाहदरा बताया। थाना प्रभारी के मुताबिक आमिर ने ब्रेजा कार चोरी करने के बाद उसके इंजन में चेचिस नंबर को भेज दिया था और चोरी की ब्रेजा कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चल रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गंगोला चौकी क्षेत्र से मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम सलेमपुर गुर्जर निवासी गोविंद को तमंचा का कारतूस के साथ गिरफ्तार किया पकड़ा गया आरोपी शातिर बदमाश है और उसे पर पूर्व में भी मुकदमे पंजीकृत हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

मुख्यमंत्री ने किया...

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान नववर्ष के प्रथम दिन मुख्यमंत्री ने मंदिर के अपने आवास के प्रथम तल स्थित शक्तिपीठ में विधिविधान से रुद्राभिषेक किया। विद्वत आचार्य एवं पुरोहितगण ने रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती की। विधि विधान से पूर्ण हुए अनुष्ठान के उपरांत मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

राम मंदिर को...

राम मंदिर की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। भारतीय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। देवेंद्र को जुबेर खान नाम के शख्स की ईमेल आईडी से धमकी दी गई है। धमकी भरे इस मेल के मिलने के बाद डायल 112 उत्तर प्रदेश मुख्यालय के ऑपरेशन कमांडर इंस्पेक्टर सहेंद्र कुमार ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। यह एफआईआर ई-मेल प्राप्त करने वाले भारतीय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी।

पुलिस की गाड़ी में...

की थार मोबाइल वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की गाड़ी में सवार तीनों पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची थाना फेस-1 पुलिस ने घायलों को तुरंत उपचार के लिए कैलाश अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में उपचार के दौरान देर रात सब इंस्पेक्टर रामकिशोर ने दम तोड़ दिया। इस हादसे में घायल हुए सब इंस्पेक्टर विजय रावत, कांस्टेबल नरेश का इलाज चल रहा है। इस दर्दनाक हादसे में मारे गए सब इंस्पेक्टर रामकिशोर मेरठ के रहने वाले थे। सड़क हादसे में हुई दुखद मौत से उनके सहयोगियों तथा पुलिस महत्व में शोक व्याप्त है। थाना प्रभारी ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि दुर्घटना के आरोपी महिंद्रा पिकअप के चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

10 बदमाश गैंगस्टर में निरूद्ध

नोएडा (चेतना मंच)। संगठित गिरोह बनाकर अपहरण मारपीट तथा चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो गिरोह के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। पुलिस ने दोनों गिरोह के 10 सदस्यों को गैंगस्टर एक्ट में निरूद्ध किया है। थाना सेक्टर-39 प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गैंग लीडर तूफानी गुप्ता राजकुमार राम सिंह संदीप के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है। चारों आरोपी संगठित गिरोह बनाकर अपराधिक घटनाओं को अंजाम देते हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी अपने भौतिक व आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्र एक्सप्रेस वे तथा अन्य चौराहा पर लगे सीसीटीवी कैमरा की बैटरी में वाहनों आदि को चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देते हैं। पुलिस ने पूर्व में इन्हें चोरी के समान के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं थाना सूरजपुर प्रभारी पुष्पराज सिंह ने बताया कि रोहित, नरेंद्र, अभिषेक, मयंक उर्फ कल्लू, रणविजय तथा दीपक नागर के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि गैंगस्टर में निरुद्ध किए गए आरोपियों ने अपहरण, मारपीट जैसे अपराधों को अंजाम देकर क्षेत्र में अपनी दहशत फैला रखी है। आरोपी संगठित गिरोह बनाकर आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस में आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

कंपनी से चोर माल समेत गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने कंपनी में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके पास से कंपनी से चोरी किया गया सामान बरामद हुआ है इसके अलावा पुलिस ने दो अन्य लोगों को तमंचा कारतूस व गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप ने बताया कि बीते 6 दिसंबर को शोभा चौधरी ने अपनी कंपनी में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी कंपनी से सोल्डिंग वायर एलईडी लैपटॉप एक आदि चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने इस मुकदमे की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की। मुखबिर की सूचना के आधार पर बहलोल पुर अंडरपास से मैग्ना उर्फ संजय पुत्र राजेंद्र निवासी सेक्टर-122 को गिरफ्तार किया गया। इसके पास से चोरी की गई सोल्डर वायर लैपटॉप विंडो एसी एलपीजी गैस सिलेंडर एलईडी सहित अन्य सामान बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि उसने यह सामान सेक्टर-63 की एक कंपनी से बीते दिनों चोरी किया था। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर-63 से पुलिस ने साहिल उर्फ गोलू पुत्र इकबाल को 1 किलो 100 ग्राम गांजा तथा विनीत उर्फ बिन्नी को तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

9 दिनों से लापता युवक का शव मिला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के तुसियाना गांव से पिछले 9 दिनों से लापता युवक का शव पुलिया के नीचे पड़ा हुआ मिला। शव पर चोट के निशान है। पुलिस एक्सीडेंट का मामला बता रही है। वहीं परिजन युवक की हत्या की आशंका जता रहे हैं। परिजनों का कहना है कि युवक की हत्या कर शव को पुलिया के नीचे फेंका गया है।

मूल रूप से अलीगढ़ थाना शास्त्री गेट क्षेत्र निवासी (22 वर्षीय) बादल पुत्र संतोष तुसियाना गांव में किराए पर रहता था।

वह मिंडा कंपनी में काम करता था। बीते 21 दिसंबर को बादल घर से कंपनी जाने के लिए निकला था इसके बाद वह कंपनी नहीं पहुंचा और लापता हो गया। परिजनों ने उसे कई बार फोन किया लेकिन उसका फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहा था। बीते 25 दिसंबर को परजनों ने थाना ईकोटेक-3 में बादल की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस दौरान परिजन भी उसकी तलाश करते रहे। 30 दिसंबर को बादल का लहूलुहान शव गांव से कुछ दूरी पर एक पुलिया के नीचे पड़ा हुआ मिला। शव पर चोट के निशान थे। मृतक के जीजा ने आशंका जताई है कि बादल की हत्या की गई है। उन्हें कुछ दिनों पूर्व पता चला था कि बादल का कंपनी में किसी बात को लेकर अपने सहयोगियों से झगड़ा हो गया था। परिजनों का आरोप है कि बादल की हत्या की गई है।

थाना प्रभारी सरिता सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। परिजनों ने इस संबंध में अभी कोई तहरीर नहीं दी है। परिजन अगर तहरीर देते हैं तो मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर करने की जांच पड़ताल कर रही है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।

इंस्टाग्राम पर हुआ प्यार, फिर निकाह और अब तलाक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में रहने वाले एक युवक को इंस्टाग्राम पर यूपी के मोहब्बत की नगरी आगरा की एक युवती से प्यार हो गया। नोएडा के युवक और आगरा की युवती के बीच इंस्टाग्राम पर पहले दोस्ती हुई। यह दोस्ती धीरे धीरे प्यार में बदल गई, ? जिसके बाद दोनों ने निकाह कर लिया। इस प्रेम कहानी में उस वक्त नया मोड़ आ गया, जब इंस्टाग्राम पर ही युवक ने अपनी बीवी को तीन तलाक दे दिया।

जानकारी के अनुसार ताज नगरी आगरा की एक युवती रविवार को आगरा के परिवार परामर्श केंद्र पहुंची और इंस्टाग्राम पर नोएडा के युवक से हुए प्यार, निकाह और तीन तलाक की जानकारी दी। जिसके बाद आगरा के परिवार परामर्श केंद्र में तैनात काउंसलर ने नोएडा के युवक को काउंसलिंग में उपस्थित होने के लिए नोटिस भेजा है। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित युवती आगरा की और आरोपी युवक नोयडा का रहने वाला है। पीड़ित युवती ने बताया कि तीन साल पहले इंस्टाग्राम पर नोएडा के युवक से दोस्ती हुई। दोनों में चैटिंग होने लगी। इसके बाद मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान हुआ जिससे व्हाट्सएप पर बातचीत होने लगी। दोस्ती और गहरी हुई और बाद में प्यार में बदल गई। युवती ने बताया कि उसने और उसके प्रेमी ने परिजनों की रजामंदी के बाद निकाह कर लिया। पीड़िता का आरोप है कि, पति के साथ रहते हुए वह गर्भवती हो गई थी और चार महीने पहले आगरा स्थित अपने मायके आ गई। दो माह पहले उसने एक बेटी को जन्म दिया। बेटी पैदा होने के बाद पति से किसी बात पर अनबन हो गई। जिससे गुस्साए उसके पति ने इंस्टाग्राम पर ही तीन तलाक लिखकर भेज दिया। जिसे देखकर युवती और परिवार के होश उड़ गए। पुलिस ने मामला परिवार परामर्श केंद्र में भेज दिया। पीड़िता ने काउंसलर को बताया कि युवक ने उसे बताया था कि वो मॉडलिंग के क्षेत्र से जुड़ा है। युवतियों को मॉडलिंग की दुनिया में आगे बढ़ाने का काम करता है। इसलिए वह उससे प्रभावित हो गई थी और युवक के जाल में फंसती चली गई। करीब ढाई साल पहले दोनों का निकाह हुआ था। निकाह के बाद धीरे-धीरे पति की हकीकत सामने आने लगीं। उसने प्रोफाइल पर जो लिख रखा था, वो पूरा सच नहीं था। उसकी बहुत सारी बाते बातें झूठ थीं।

परिवार परामर्श केन्द्र की प्रभारी अपूर्वा चौधरी ने बताया कि पीड़िता के प्रति को नोटिस भेजा गया और और काउंसलिंग में आने के लिए बुलाया गया है।

युवती समेत पांच से मोबाइल लूटे

नोएडा (चेतना मंच)। बाइक सवार बदमाशों ने अलग-अलग स्थान से एक कंपनी की टीम लीडर युवती सहित पांच लोगों से मोबाइल फोन लूट लिए। लूट की वारदात को अंजाम जाने के बाद बदमाश मौके से फरार होने में सफल रहे।

थाना सेक्टर-58 में दर्ज कराई रिपोर्ट में शाहदरा दिल्ली निवासी चंचल ने बताया कि वह सेक्टर 57 स्थित मोटर क्राफ्ट कंपनी में टीम लीडर के पद पर कार्यरत है। बीते 30 दिसंबर की दोपहर को वह लंच करने के लिए अपनी कंपनी से बाहर निकली थी। इस दौरान बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसका मोबाइल फोन लूट लिया और फरार हो गए। उसने शोर मचाकर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन बदमाश मौके से रफू चक्कर हो गए। न्यू संजय अमर कॉलोनी शाहदरा निवासी राहुल ने थाना फेस-3 में अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ मोबाइल लूट का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित के मुताबिक वह ई-रिक्शा से सेक्टर-65 किसी काम से आया था। वह ई-रिक्शा में बैठकर अपने एक परिचित से फोन पर बात कर रहा था इस दौरान बाइक पर आए दो बदमाश उसके हाथ से मोबाइल फोन लूट कर फरार हो गए।

सेक्टर-37 निवासी हिमांशु सोनकर ने थाना सेक्टर 39 में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर 37 के अरुण विहार के पास से जा रहा था। इस दौरान पीछे से बाइक पर आए दो युवक उसके हाथ से मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए।

इसी थाना क्षेत्र के सेक्टर-37 यूटर्न के पास ई-रिक्शा में जा रहे उमेश लाल से बाइक सवारों ने मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए। वहीं थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के गिझौड़ चौराहे की रेड लाइट पर बाइक सवार बदमाशों ने छोटू से मोबाइल फोन छीन लिया। लूट के वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है पुलिस घटना स्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज को खंगाल कर बदमाशों की पहचान का प्रयास कर रही है।

भारत में एक वर्ष में कई नववर्ष मनाए जाते हैं...

हमारे देश में कई धर्मों के लोग रहते हैं। हर धर्म के लोगों के अपने अपने कैलेंडर है। हालांकि देश में अधिकतर जगहों पर अंग्रेजी यानी रोमन कैलेंडर को फॉलो किया जाता है। इसके अनुसार नया वर्ष 2024 प्रारंभ होने वाला है। इसी कैलेंडर को ईसाई कैलेंडर भी कहते हैं। दुनिया में सबसे अधिक देशों में ईसाई नव वर्ष मनाए जाने की परंपरा है।

हमारे देश में कई धर्मों के लोग रहते हैं। हर धर्म के लोगों के अपने अपने कैलेंडर है। हालांकि देश में अधिकतर जगहों पर अंग्रेजी यानी रोमन कैलेंडर को फॉलो किया जाता है। इसके अनुसार नया वर्ष 2024 प्रारंभ होने वाला है। इसी कैलेंडर को ईसाई कैलेंडर भी कहते हैं। दुनिया में सबसे अधिक देशों में ईसाई नव वर्ष मनाए जाने की परंपरा है।

■■■■■

विक्रम संवत, गुड़ी पड़वा : हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ हिन्दी पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वासंतेय नवरात्र का भी प्रारंभ होता है। हिन्दू नववर्ष का पंचांग विक्रम संवत् से माना जाता है। एक साल में 12 महीने और 7 दिन का सप्ताह विक्रम संवत से ही प्रारंभ हुआ है। वर्तमान में विक्रम संवत 2080-81 चल रहा है। महाराष्ट्रीयन परिवारों में चैत्र माह की प्रतिपदा को ही नववर्ष की शुरुआत होना माना जाता है। विक्रम संवत की शुरुआत 58 ईस्वी पूर्व हुई थी।

■■■■■

शक संवत : ऐसा माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ई. में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में घोषित कर दिया। राष्ट्रीय संवत का नववर्ष 22 मार्च से शुरू होता है जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है। यह संवत सूर्य के मेष राशि में प्रवेश से शुरू होता है।

■■■■■

बौद्ध संवत : बौद्ध धर्म के कुछ अनुयाई बुद्ध पूर्णिमा के दिन नया साल मनाते हैं। कुछ 21 मई को नया वर्ष मानते हैं। थाईलैंड, बर्मा, श्रीलंका, कंबोडिया और लाओ के लोग 7 अप्रैल को बौद्ध नववर्ष मनाते हैं।

■■■■■

हिजरी सन् : मुस्लिम समुदाय में नया वर्ष मोहर्रम की पहली तारीख से मनाया जाता है। मुस्लिम पंचांग की गणना चांद के अनुसार होती है। हिजरी सन् के नाम से जाना जाने वाला मुस्लिम नववर्ष अभी-अभी शुरू हुआ है। इस समय 1445-46 हिजरी सन् चल रहा है। इसकी शुरुआत 622 ईस्वी में हुई थी। हजरत मोहम्मद ने जब मक्का से निकलकर मदीना में बस गए तो इसे हिजरत कहा गया। इसी से हिज्र बना और जिस दिन वो मक्का से मदीना आए उस दिन हिजरी कैलेंडर शुरू हुआ। हिजरी कैलेंडर के बारे में एक दिलचस्प तथ्य यह है कि इसमें चंद्रमा की घटती-बढ़ती चाल के अनुसार दिनों का संयोजन नहीं किया गया है। लिहाजा इसके महीने हर साल करीब 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं।

■■■■■

ईसाई नववर्ष : 1 जनवरी से नए साल की शुरुआत 15 अक्टूबर 1582 से हुई थी। इसके कैलेंडर का नाम ग्रिगोरियन कैलेंडर है। जूलियस सीजर ने ईसा पूर्व 45वें वर्ष में जूलियन कैलेंडर बनाया। तब से 1 जनवरी को नववर्ष मनाते हैं। ईसाइयों का एक अन्य पंथ ईस्टर्न आर्थोडाक्स चर्च तथा इसके अनुयायी ग्रेगोरियन कैलेंडर को मान्यता न देकर पारंपरिक रोमन कैलेंडर को ही मानते हैं। ग्रेगोरी कालदर्शक की मूल इकाई दिन होता है। 365 दिनों का एक वर्ष होता है, किन्तु हर चौथा वर्ष 366 दिन का होता है, जिसे अधिवर्ष या लीप ईयर कहते हैं। भारत में ईस्वी संवत का प्रचलन अंग्रेजी शासकों ने 1752 में किया था।

■■■■■

मलयाली कैलेंडर : मलयाली समाज में नया वर्ष ओणम से मनाया जाता है। इस दिन प्रतिवर्ष विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। ओणम मलयाली माह छिंगम यानी अगस्त और सितंबर के मध्य मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन राजा बली अपनी प्रजा से मिलने धरती पर आते हैं। राजा बली के स्वागत के लिए घरों में फूलों की रंगोली सजाई जाती है और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। इस बार वर्ष 2024 में 15 सितंबर रविवार को प्रारंभ होगा।

■■■■■

तमिल नववर्ष : तमिल नववर्ष पोंगल से प्रारंभ होता है। यानी मकर संक्रांति के दिन से नववर्ष प्रारंभ होता है। पोंगल से ही तमिल माह की पहली तारीख मानी गई है। पोंगल प्रतिवर्ष 14-15 जनवरी को मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है। पोंगल में सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है उसे पोंगल कहते हैं। चार दिनों का यह त्योहार भी नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है।

■■■■■

नववर्ष बैसाखी : गीत-संगीत की अनोखी परंपरा और खुशदिल लोगों से सजी है पंजाबियों की संस्कृति। पंजाबी समुदाय अपना नववर्ष बैसाखी में मनाते हैं। यह त्योहार नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। बैसाखी के अवसर पर नए कपड़े पहने जाने के साथ ही भांगड़ा और गिद्दा करके खुशियां मनाई जाती हैं। बैसाखी प्रतिवर्ष चैत्र प्रतिपदा के आसपास ही आता है। इस बार 13 अप्रैल 2024 से प्रारंभ होगा। सिख नानकशाही कैलेंडर के अनुसार होला मोहल्ला (होली के दूसरे दिन) से नए साल की शुरुआत होती है।

■■■■■

नवरोज का प्रारंभ : पारसियों द्वारा मनाए जाने वाले नववर्ष नवरोज का प्रारंभ तीन हजार साल पहले हुआ। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन फारस के राजा जमजेद ने सिंहासन ग्रहण किया था। उसी दिन से इसे नवरोज कहा जाने लगा। राजा जमशेद ने ही पारसी कैलेंडर की स्थापना की थी। नवरोज को जमशेदी नवरोज भी कहा जाता है। 3000 वर्ष पूर्व शाह जमशेदजी ने नवरोज मनाने की शुरुआत की थी। 24 मार्च 2024 से यह नववर्ष प्रारंभ होगा।

■■■■■

जैन नववर्ष : जैन समुदाय का नया साल दीपावली के दिन से माना जाता है। इसे वीर निर्वाण संवत कहा जाता है। वर्तमान में 2550-51 वीर निर्वाण संवत चल रहा है। भगवान महावीर स्वामी की मोक्ष प्राप्ति के अगले दिन यह शुरू होता है। इसीलिए इसे वीर निर्वाण संवत कहते हैं। लगभग 527 ईसा पूर्व महावीर स्वामी को निर्वाण प्राप्त हुआ था।

■■■■■

परीवा से नया साल : सभी समुदायों की तरह गुजराती बंधुओं का नववर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन प ?ने वाली परीवा के दिन खुशी के साथ मनाया जाता है। गुजराती पंचांग भी विक्रम संवत पर आधारित है। इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं और एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी जाती हैं।

■■■■■

बंगाली समुदाय का नया वर्ष : अपनी विशेष संस्कृति से जाने वाले बंग समुदाय का नया वर्ष बैसाख की पहली तिथि को मनाया जाता है। बंगाली पंचांग के अनुसार, इस समय सन् 1430-31 चल रहा है। यह पर्व नई फसल की कटाई और नया बही-खाता प्रारंभ करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक ओर व्यापारी लोग जहां नया बही-खाता बंगाली में कहें तो हाल-खाता करते हैं तो दूसरी तरफ अन्य लोग नई फसल के आने की खुशियां मनाते हैं। इस दिन कई सांस्कृतिक आयोजन होते हैं और मिठाइयां बांटी जाती हैं।

वर्ष 2024 में कैसा रहेगा भारत का भविष्य... ?

भारत के लिए वर्ष 2024 बहुत महत्वपूर्ण और उथल-पुथल भरा रहने वाला है। हिंदू माह 2080 चल रहा है और 9 अप्रैल 2024 से विक्रम संवत 2081 प्रारंभ हो जाएगा। वर्तमान संवत्सर 2080 के राजा बुध, गृह मंत्री शुक्र, वित्त मंत्री सूर्य, रक्षा मंत्री बृहस्पति हैं। यह पिंगला शोभकृत नाम का संवत्सर चल रहा है। इसके बाद 2081 संवत्सर का नाम क्रोधी रहेगा। पंचांग भेद से इसका नाम कालयुक्त है, इसका राजा मंगल है और मंत्री होगा शनि।

भारत के लिए वर्ष 2024 बहुत महत्वपूर्ण और उथल-पुथल भरा रहने वाला है। हिंदू माह 2080 चल रहा है और 9 अप्रैल 2024 से विक्रम संवत 2081 प्रारंभ हो जाएगा। वर्तमान संवत्सर 2080 के राजा बुध, गृह मंत्री शुक्र, वित्त मंत्री सूर्य, रक्षा मंत्री बृहस्पति हैं। यह पिंगला शोभकृत नाम का संवत्सर चल रहा है। इसके बाद 2081 संवत्सर का नाम क्रोधी रहेगा। पंचांग भेद से इसका नाम कालयुक्त है, इसका राजा मंगल है और मंत्री होगा शनि।

- **मौसम :** वर्ष 2024 में भारत में अल्पवृष्टि के योग हैं। कहीं वर्षा अच्छी होगी तो कहीं सूखा निर्मित हो सकता है। गर्मी सामान्य रहेगी लेकिन बारिश और ठंड बढ़ सकती है। असामान्य जलवायु के चलते सेहत पर इसका भारी असर होगा।
- **प्राकृतिक प्रकोप :** भारत में वर्ष 2024 में राहु, मंगल, शनि और सूर्य के कारण प्राकृतिक प्रकोप बढ़ सकते हैं। तूफान, चक्रवात, भूकंप और बाढ़ से लोगों को बचना होगा। इस बार भूकंप और चक्रवात के कारण जान माल के नुकसान की ज्यादा आशंका व्यक्त की जा रही है।
- **रोग :** भारत में नया रोग या कोई नई महामारी के आने के योग भी बन रहे हैं। केतु के कारण वायरल संक्रमण होने की संभावना है जिसके चलते लोगों में बेचैनी रहेगी। मानसिक तनाव बढ़ सकता है। लोगों को अभी से ही अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए इम्यून सिस्टम को मजबूत करना होगा।
- **राजनीतिक उथल पुथल :** वर्ष 2024 में मंगल, शनि और राहु के प्रभाव के चलते भारत में राजनीतिक उथल-पुथल पिछले वर्ष की अपेक्षा ज्यादा रहेगी। राजनीतिक पार्टियों में शत्रुता की भावना बढ़ जाएगी। झूठे आरोप और प्रत्यारोप के चलते नफरत बढ़ेगी। किसी बड़े राजनेता को पद त्यागना पड़ सकता है या किसी बड़े राजनेता का निधन भी हो सकता है। भारत के किसी 2 नेताओं पर हमला होने की संभावना है, कई नेताओं को कानूनी सजा भी मिल सकती है, क्योंकि अगले वर्ष का मंत्री शनि है। भाजना की अपेक्षा कांग्रेस का प्रभाव तेजी से बढ़ेगा, जिसके चलते देश में राजनीतिक अस्थिरता पैदा होगी।
- **भारत की सीमा :** वर्ष के मध्य में भारत की पश्चिमी और पूर्वी सीमा पर तनाव चरम पर होगा। भारत पर कोई बड़ा हमला होने की संभावना है। अप्रैल, मई, जून, जुलाई और अगस्त का माह भारत के लिए कठिन रहेगा। प. बंगाल और उत्तर पूर्वी भारत में ज्यादा अशांति रहने वाली है। यानी भारत में आंतरिक संघर्ष बढ़ने की संभावना है।
- **वस्तु दाम :** आने वाले वर्ष 2024 में महंगाई बढ़ेगी क्योंकि अतिवर्षा, तूफान आदि प्राकृतिक आपदा के चलते देश के अधिकतर क्षेत्रों की फसल नष्ट होने के आसार है। 2024 में उत्पादन में कमी के चलते कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। पेट्रोल के दाम में भी बढ़ोतरी होगी।
- **अर्थ व्यवस्था :** देश की अर्थ व्यवस्था में सुधार होगा, रियल स्टेट में तेजी रहेगी। सोने के भाव बढ़ते जाएंगे।

खेल जगत और बॉलीवुड के लिए शुभ रहेगा नया साल

ज्योतिष में भविष्य जानने की कई विधाएं हैं। उनमें से एक है- अंक शास्त्र। अंक ज्योतिष के अनुसार आज पढ़ें भारत की आर्थिक स्थिति, खेल जगत और बॉलीवुड के लिए कैसा रहेगा आने वाला समय...

खेल की दुनिया में भारत का बजेगा डंका- 2024 में खेल के क्षेत्र में सरकार का विशेष ध्यान होगा और खेल को बेहतर बनाने के लिए कई प्रयास किए जाएंगे। इस वर्ष क्रिकेट जगत से कुछ लोग राजनीति से जुड़ सकते हैं और किसी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इस वर्ष आईपीएल में मुंबई इंडियन और गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा। हॉकी और टेनिस में इस वर्ष भारत में खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर रहेगा। इस वर्ष युवा खेल के प्रति आकर्षित होंगे और खेल को करियर बनाने के लिए कई विशिष्ट खिलाड़ी अभियान चलाएंगे। भारत का प्रदर्शन पेरिस ओलंपिक में शानदार रहेगा। शूटिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं गोल्ड मेडल मिलने की पूरी संभावना है। इसके अतिरिक्त हॉकी, बैडमिंटन, रेसलिंग और बॉक्सिंग में मेडल जीतने का योग बन रहा है। कुल मिलाकर भारत के खेल जगत के लिए यह वर्ष शुभ और उत्कृष्ट है।

बॉलीवुड के लिए यह साल खासा शुभ रहेगा- इस वर्ष बॉलीवुड में सामाजिक और राष्ट्रीय मसलों से जुड़े विषयों पर फिल्म बनाने का रूझान दिखेगा और ऐसी फिल्में कामयाब होंगी। यही नहीं इस वर्ष इस तरह के मुद्दों पर कार्य करनेवाले निर्देशकों का बोलबाला होगा। दर्शक सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों से जुड़ी फिल्मों को ज्यादा पसंद करेंगे। ओटीटी और वेब सीरीज के प्रचलन में बढ़ोतरी होगी। यह वर्ष पुराने तथा स्थापित कलाकारों और हाल के वर्षों में आए नए कलाकारों, दोनों के लिए शुभ होगा। उनकी फिल्मों और काम को सराहा जाएगा। बॉलीवुड में इस वर्ष कुछ फिल्में नए रेकॉर्ड छुएंगी। इस वर्ष बॉलीवुड में कुछ ऐसे नए प्रोजेक्ट्स शुरू होंगे, जो वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित होंगे। कुछ प्रोजेक्ट्स खास घोटालों की कहानियों पर आधारित होंगे। कुल मिलाकर यह वर्ष बॉलीवुड के लिए विशेष शुभ रहने वाला होगा।

आर्थिक दृष्टि से मिला-जुला रहेगा यह साल- आर्थिक दृष्टि से वर्ष 2024 मिला-जुला रहेगा। यह वर्ष स्टॉक मार्केट के लिए बेहतर रहेगा। कॉर्पोरेट जगत में नैतिकता, पर्यावरण और जलवायु के लिए समर्पित कंपनियों के लिए यह वर्ष शुभ होगा। वर्ष की शुरुआत में नौकरी के लिए बाजार धीमा रहेगा, लेकिन जैसे-जैसे वर्ष आगे बढ़ेगा, भारत में रोजगार की उपलब्धता बेहतर होगी। युवा नए तकनीकी ज्ञान के द्वारा रोजगार पाने में सक्षम होंगे। भारत की जीडीपी में बढ़ोतरी होगी। मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहेगी।

इंफ्रास्ट्रक्चर (आधारभूत सरंचना), खनन, क्रूड आयल, भारी मशीनरी आदि क्षेत्रों में विशेष वृद्धि होगी। वर्ष 2024 में ऑटोमोबाइल उद्योग एवं उसकी तकनीक में विकास होगा। ऑटोमोबाइल बिक्री में वृद्धि होगी। इस उद्योग में रोजगार की संभावना भी बढ़ेगी और कई नए वाहनों के मॉडल इस वर्ष बाजार में आएंगे, जो मध्यम वर्ग के लिए लेने योग्य होंगे। शनि का प्रभाव समाज और पर्यावरण पर विशेष होता है, अत इस वर्ष ऑटोमोबाइल उद्योग पर्यावरण को ध्यान में रखकर कुछ खास वाहनों के मॉडल को बाजार में लाएंगे। इसी दिशा में रिसर्च में निवेश करेंगे। सरकार का निवेश रक्षा क्षेत्र में बढ़ेगा और रक्षा से जुड़े स्टॉक में निवेश करने से दूरगामी लाभ होगा।

नव वर्ष में असंभव को सिद्ध करने का स्वप्न देखें, पृथ्वी को और सुंदर बनाने का बीड़ा उठाएं

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

हम सभी इस वसुंधरा पर कुछ आश्चर्यजनक और अतुलनीय करने के लिए आए हैं। यह सुनिश्चित करना आपका काम है कि आप इस अवसर को हाथ से न जाने दें। नए साल में कुछ न कुछ सृजनात्मक अवश्य करें। कुछ सृजन किए बिना कोई वर्ष नहीं बीतना चाहिए। जब तक आपके मन में कोई स्वप्न नहीं जन्मता, आप उसे साकार नहीं कर सकते। हर आविष्कार एक स्वप्न से उपजा है। स्वयं को विराट स्वप्न देखने और चिंतन करने की स्वतंत्रता दें और पूरे समर्पण के साथ उन्हें पूर्ण करने का साहस रखें। अक्सर विराट स्वप्नदर्शियों का उपहास उड़ाया जाता रहा है, किंतु उन्होंने इसकी परवाह किए बिना अपने लक्ष्य को प्राप्त किया।

आपकी जीवन-ऊर्जा को प्रवाहित होने के लिए निश्चित दिशा की आवश्यकता होती है। यदि आप इसे सही दिशा नहीं देते, तो आप किसी न किसी भ्रम का शिकार हो सकते हैं। जीवन-ऊर्जा को एक दिशा में ले जाने के लिए प्रतिबद्धता आवश्यक है। आज अधिकांश लोग भ्रमित हैं क्योंकि उनका जीवन दिशाहीन हैं। जब आप प्रसन्न होते हैं, तो आपके भीतर अत्यधिक जीवन-ऊर्जा होती है; लेकिन जब यह जीवन-ऊर्जा इस बात से अनभिज्ञ होती है कि उसका लक्ष्य कहाँ है, तो यह अटक जाती है। जब इसे आगे बढ़ने का मार्ग नहीं मिलता तो यह इसमें सड़न पैदा हो जाती है।

रहस्य यह है कि आप जितने अधिक प्रतिबद्ध होंगे, उस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए उतनी ही अधिक ऊर्जा का उपयोग होगा। प्रतिबद्धता जितनी अधिक होगी, चीजें आपके लिए उतनी ही आसान होंगी। छोटी-छोटी प्रतिबद्धताएं आपके लिए दम घोंटने वाली हो सकती हैं क्योंकि आपके पास क्षमता तो अधिक है, लेकिन आप एक सीमित दायरे में फंसे हुए हैं।

जब आप समाज की, अपने आस-पास के लोगों की भलाई के लिए काम कर रहे हैं, भले ही आपके पास करने के लिए दस काम हों और अगर एक काम गलत भी हो जाता है, तो आप शेष काम करना जारी रख सकते हैं; जो कार्य ग़लत हो गया है वह अपने आप ठीक हो जाएगा! साधारणतया कृपा इसी तरह काम करती है। हम सोचते हैं कि हमारे पास पर्याप्त संसाधन होने चाहिए और फिर

हम प्रतिबद्ध होंगे। आप जितनी अधिक ज़िम्मेदारी लेंगे, संसाधन उतनी ही आसानी से आपके पास आएंगे। आप जिस चीज के लिए भी प्रतिबद्ध हैं, वह आपको शक्ति प्रदान करती है। यदि आप अपने परिवार के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो आपका परिवार आपका सहयोग करता है; यदि आप समाज के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो आप समाज के सहयोग का आनंद लेते हैं। आपके माँगने से पहले ही आपको सहायता मिल जाएगी।

प्रतिबद्धता का परिणाम लाने के लिए हमें सही विचारों और सही कार्यों की आवश्यकता है। उन सभी इच्छित वस्तुओं की सूची न बनाएं जिन्हें आप हासिल करना चाहते हैं; बल्कि एक विशाल दृष्टिकोण रखें और कुछ ऐसी वस्तुएँ चुनें जो वास्तव में मायने रखती हैं। यदि हम ऐसी बातों का ध्यान रखते हैं जो हमें अधिकतम संतुष्टि प्रदान करती हैं, और दीर्घ काल तक वे दूसरों के जीवन को ऊपर उठाने में भी सहायक हैं, तो सामान्य वस्तुएँ अपने आप सही स्थान पर आ जाएंगी।

जब मन पूर्ण रूप से वर्तमान में होता है, तो आपके पास संगत विचार आते हैं। आपको न केवल अपने लक्ष्यों की योजना बनानी चाहिए, बल्कि उन पर काम करने के साधनों और तरीकों की भी योजना बनानी चाहिए। तीन साल बाद आप खुद को कहां देखना चाहेंगे? 20 साल बाद? 40 साल बाद? परिणामों को लेकर उत्तेजित न हों। अपना 100 प्रतिशत दें।

आमतौर पर, हम मस्तिष्क को तो तेज दौड़ाते हैं लेकिन काम धीरे करते हैं। सफलता का सही सूत्र है मन में धैर्य और कर्म में गतिशीलता। उत्साह और वैराग्य दोनों को अपनाएं। अपने लक्ष्यों के लिए प्रयास करने के साहस के साथ आगे बढ़ें और आवश्यकता पड़ने पर हार भी मानें। समृद्धि स्वाभाविक रूप से आएगी।

जब आप ध्यान करते हैं तो निरीक्षण की क्षमता बढ़ती है। आप पूरी तरह से निश्चिंत हो जाते हैं, लेकिन साथ ही, आपके पास बौद्धिक शक्ति, जागरूकता और अंतर्ज्ञान की तीव्रता भी होती है। जब आप जागरूक होकर कार्य करते हैं, तो कार्य ठीक होता है। अटूट मनोयोग और सहज मन आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करेगा। तनाव मुक्त ऊर्जा से भरे जीवन का मार्ग 'ध्यान' है, जिसमें अपने लक्ष्य के प्रति दृष्टि स्पष्ट होती है। प्रतिबद्धता भविष्य में सदा सुखद अनुभूति लाएगी। निवास के लिए इस दुनिया को एक सुंदर स्थान बनाने की जिम्मेदारी उठाएं।

असंभव को सच करने का प्रण लें!

नए साल पर शेयर करें लेटेस्ट संदेश

■■■■■

365 पन्नों की किताब का
पहला पन्ना आज खुल गया,
उठाओ अपनी मेहनत की कलाम,
और भर दो पसीने की स्याही से इन पन्नों को
और लिख दो खुद की नई कहानी।
नए साल की शुभकामनाएं 2024

■■■■■

पग पग में फूल खिले,
हर खुशी आपको मिले,
कभी न हो दुखों का सामना,
यह ही है मेरी नववर्ष की शुभकामना।
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

■■■■■

पुराने साल की किताब बंद करो,
2024 के नए अध्याय को लिखने का समय आ गया।
खुशियों की कलम उठाओ, हर पल को हसीं से रंगो।
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

■■■■■

कुछ ऐसे भी करो नए साल की शुरुआत,
खुशियां बांटो अपनों के साथ,
डालो हाथों में हाथ,
नाचो गाओ झूमो,
क्योंकि आया है नया साल।
नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं

■■■■■

लक्ष्मी जी का हाथ हो
सरस्वती जी का साथ हो
गणेश जी का निवास हो
और आपके जीवन में प्रकाश ही प्रकाश हो।
नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

नव उत्साह और नवजीवन का संदेश देता नववर्ष

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पत्तों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

नववर्ष यानी वर्ष का पहला दिन 1 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन के साथ दुनिया के ज्यादातर लोग अपने नए साल की शुरुआत करते हैं। नए का आत्मबोध हमारे अंदर नया उत्साह भरता है और नए तरीक़े से जीवन जीने का संदेश देता है। हालांकि ये उल्लास, ये उत्साह दुनिया के अलग-अलग कोने में अलग-अलग दिन मनाया जाता है क्योंकि दुनिया भर में कई कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग-अलग होता है। एक अनुमान के अनुसार अकेले भारत में ही क़रीब 50 कैलेंडर (पंचांग) हैं और इनमें से कई का नया साल अलग दिनों पर होता है।

1 जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। इसकी शुरुआत रोमन कैलेंडर से हुई है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष 1 मार्च से शुरू होता है। प्रसिद्ध रोमन सम्राट जूलियस सीज़र ने 47 ईसा पूर्व में इस कैलेंडर में परिवर्तन किया और इसमें जुलाई माह जोड़ा। इसके बाद उसके भतीजे के नाम के आधार पर इसमें अगस्त माह जोड़ा गया। दुनिया भर में आज जो कैलेंडर प्रचलित है, उसे पोप ग्रेगोरी अष्टम ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। ईसाइयों का एक अन्य पंथ ईस्टर्न आर्थोडॉक्स चर्च तथा इसके अनुयायी ग्रेगोरियन कैलेंडर को मान्यता न देकर पारंपरिक रोमन कैलेंडर को ही मानते हैं। इस कैलेंडर के अनुसार नया साल 14 जनवरी को मनाया जाता है। इस कैलेंडर की मान्यता के अनुसार जॉर्जिया, रूस, यरूशलम, सर्बिया आदि में 14 जनवरी को नववर्ष मनाया जाता है।

भारत में नववर्ष

भारत कैलेंडरों के मामले में कम समृद्ध नहीं है। इस समय देश में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगु संवत आदि अनेक प्रचलित हैं। इनमें से हर एक के अपने अलग-अलग नववर्ष होते हैं। देश में सर्वाधिक प्रचलित संवत विक्रम और शक संवत है। माना जाता है कि विक्रम संवत गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

नववर्ष की शुभकामनाएँ

इसी समय चैत्र नवरात्र प्रारंभ होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उत्तर भारत के अलावा गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। सिंधी लोग इसी दिन चेटी चंद्र के रूप में नववर्ष मनाते हैं। शक सवंत को शालीवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ई. में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है। चैत्र शुक्ला प्रतिपदा को विक्रमीय संवत की दृष्टि से नववर्ष मनाया जाता है। ब्रज में इस दिन नीम की पती और मिश्री खाने की परम्परा है ।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है। हिजरी कैलेंडर कर्बला की लड़ाई के पहले ही निर्धारित कर लिया गया था। मोहर्रम के दसवें दिन को आशूरा के रूप में जाना जाता है। इसी दिन पैगम्बर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन बगदाद के निकट कर्बला में शहीद हुए थे। हिजरी कैलेंडर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि इसमें चंद्रमा की घटती - बढ़ती चाल के अनुसार दिनों का संयोजन नहीं किया गया है। लिहाजा इसके महीने हर साल क़रीब 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं।

अन्य देशों में नववर्ष

यदि भारत के पड़ोसी देश और देश की पुरानी सभ्यताओं में से एक चीन में भी अपना एक अलग कैलेंडर है। तकरीबन सभी पुरानी सभ्यताओं के अनुसार चीन का कैलेंडर भी चंद्रमा गणना पर आधारित है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। चीनी वर्ष के नाम 12 जानवरों के नाम पर रखे गए हैं। चीनी ज्योतिष में लोगों की राशियाँ भी 12 जानवरों के नाम पर होती हैं। लिहाजा यदि किसी की बंदर राशि है और नया वर्ष भी बंदर आ रहा हो तो वह साल उस व्यक्ति के लिए विशेष तौर पर भाग्यशाली माना जाता है। 1 जनवरी को अब नये साल के जश्न के रुप में मनाया जाता है। एक-दूसरे की देखा-देखी यह जश्न मनाने वाले शायद ही जानते हों कि दुनिया भर में पूरे 70 नववर्ष मनाए जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आज भी पूरी दुनिया कैलेण्डर प्रणाली पर एकमत नहीं हैं। इक्कीसवीं शताब्दी के वैज्ञानिक युग में इंसान अन्तरिक्ष में जा पहुँचा है, मगर कहीं सूर्य पर आधारित, कहीं चन्द्रमा पर आधारित तो कहीं सूर्य, चन्द्रमा और तारों की चाल पर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दुनिया में विभिन्न कैलेण्डर प्रणालियाँ लागू हैं। यही वजह है कि अकेले भारत में पूरे साल तीस अलग-अलग नव वर्ष मनाए जाते हैं। दुनिया में सर्वाधिक प्रचलित कैलेण्डर 'ग्रेगोरियन कैलेण्डर' है। जिसे पोप ग्रेगरी तेरह ने 24 फरवरी, 1582 को लागू किया था। यह कैलेण्डर 15 अक्तूबर, 1582 में शुरू हुआ। इसमें अनेक त्रुटियाँ होने के बावजूद भी कई प्राचीन कैलेण्डरों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आज भी मान्यता मिली हुई हैं।

अनेकता में एकता का नववर्ष

हमारा देश अनेकता में एकता की परंपरा को सहेज रहा है। यहां हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, पारसी के साथ अनेक धर्म और समुदायों के लोग अपनी-अपनी संस्कृति को निभाते हुए नया साल मनाते हैं। इन सबके अपने अलग-अलग त्योहार और रीति-रिवाज हैं। जिस प्रकार सभी समुदायों के कुछ विशेष पर्व हैं जिन्हें सभी एक साथ मिलकर मनाते हैं। उसी प्रकार प्रत्येक समुदाय के नए वर्ष भी अलग-अलग हैं और सभी एक-दूसरे के पर्वों का सम्मान करते हैं। अन्य पर्वों की तरह हर समुदाय के नववर्ष भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

चैत्र प्रतिपदा

हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ हिन्दी पंचांग के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वासंतेय नवरात्र का भी प्रारंभ होता है। हिन्दू नववर्ष का पंचांग विक्रम संवत से माना जाता है। एक साल में बारह महीने और सात दिन का सप्ताह विक्रम संवत से ही प्रारंभ हुआ है।

हिजरी सन

मुस्लिम समुदाय में नया वर्ष मोहर्रम की पहली तारीख से मनाया जाता है। मुस्लिम पंचांग की गणना चांद के अनुसार होती है। हिजरी सन के नाम से जाना जाने वाला मुस्लिम नववर्ष अभी-अभी शुरू हुआ है।

ओणम

मलयाली समाज में नया वर्ष ओणम से मनाया जाता है। इस दिन प्रतिवर्ष विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। ओणम मलयाली माह छिंगम यानी अगस्त और सितंबर के मध्य मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन राजा बली अपनी प्रजा से मिलने धरती पर आते हैं। राजा बली के स्वागत के लिए घरों में फूलों की रंगोली सजाई जाती है और स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं।

सूर्य देव को अर्पित होता है प्रसाद

तमिल नववर्ष पोंगल से प्रारंभ होता है। पोंगल से ही तमिल माह की पहली तारीख मानी गई है। पोंगल प्रतिवर्ष 14-15 जनवरी को मनाया जाने वाला बड़ा त्योहार है। पोंगल में सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है उसे पोंगल कहते हैं। चार दिनों का यह त्योहार भी नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है।

महाराष्ट्रीयन समाज का नववर्ष

महाराष्ट्रीयन परिवारों में चैत्र माह की प्रतिपदा को ही नववर्ष की शुरुआत होना माना जाता है। इस दिन बांस में नई साड़ी पहनाकर उस पर तांबे या पीतल के लोटे को रखकर गुड़ी बनाई जाती है और उसकी पूजा की जाती है। गुड़ी को घरों के बाहर लगाया जाता है और सुख संपन्नता की कामना की जाती है।

नववर्ष बैसाखी

गीत-संगीत की अनोखी परंपरा और खुशदिल लोगों से सजी है पंजाबियों की संस्कृति। पंजाबी समुदाय अपना नववर्ष बैसाखी में मनाते हैं। यह त्योहार नई फसल आने की खुशी में मनाया जाता है। बैसाखी के अवसर पर नए कपड़े पहने जाने के साथ ही भांगड़ा और गिद्दा करके खुशियां मनाई जाती हैं। बैसाखी प्रतिवर्ष 13-14 अप्रैल को मनाई जाती है।

नवरोज का प्रारंभ

पारसियों द्वारा मनाए जाने वाले नववर्ष नवरोज का प्रारंभ तीन हजार साल पहले हुआ। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन फारस के राजा जमजेद ने सिंहासन ग्रहण किया था। उसी दिन से इसे नवरोज कहा जाने लगा। राजा जमशेद ने ही पारसी कैलेंडर की स्थापना की थी। नवरोज को जमशेदी नवरोज भी कहा जाता है। यह 19 अगस्त को मनाया जाता है।

दीपावली है नया साल

जैन समुदाय का नया साल दीपावली के दिन से माना जाता है। इसे वीर निर्वाण संवत कहा जाता है।

परीवा से नया साल

सभी समुदायों की तरह गुजराती बंधुओं का नववर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन पड़ने वाली परीवा के दिन खुशी के साथ मनाया जाता है। गुजराती पंचांग भी विक्रम संवत पर आधारित है। इस दिन तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं और एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दी जाती हैं।

बंगाली समुदाय का नया वर्ष

अपनी विशेष संस्कृति से जाने-पहचाने जाने वाले बंग समुदाय का नया वर्ष बैसाख की पहली तिथि को मनाया जाता है। यह पर्व नई फसल की कटाई और नया बही-खाता प्रारंभ करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक ओर व्यापारी लोग जहां नया बही-खाता बंगाली में कहें तो हाल-खाता करते हैं तो दूसरी तरफ अन्य लोग नई फसल के आने की खुशियां मनाते हैं। इस दिन कई सांस्कृतिक आयोजन होते हैं और मिठाइयां बांटी जाती हैं।

सभी कहते हैं नया वर्ष मुबारक हो

सभी समुदायों के साथ ही एक ऐसा नया साल है जिसे सभी वर्गों, समुदायों द्वारा मान लिया गया है। वह है अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मनाया जाने वाला नया साल। जिसकी शुरुआत जनवरी में होती है। जनवरी में नए वर्ष का प्रारंभ हो गया है। आजकल इसी पंचांग को सर्वमान्य रूप से नए वर्ष की शुरुआत मान लिया गया है। सारे सरकारी कार्य और लेखा-जोखा इसी के अनुसार संचालित किए जाते हैं।

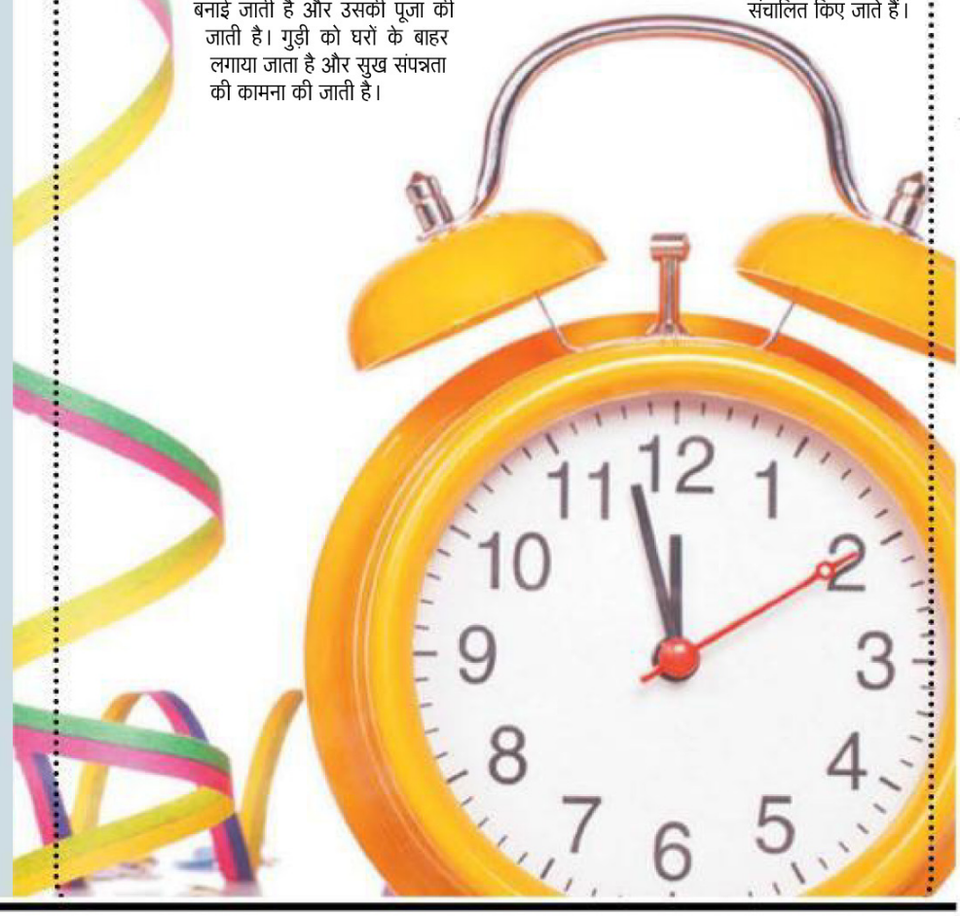

नये साल के लिए एक जनवरी ही क्यों!

एक जनवरी के नजदीक आते ही जगह-जगह हैप्पी न्यू ईयर के बैनर व होर्डिंग लगने लगते हैं। जश्न मनाने की तैयारियां प्रारम्भ हो जाती हैं। होटल, रेस्तरॉं, व पव इत्यादि अपने-अपने ढंग से इसके आगमन की तैयारियां करने लगते हैं। पोस्टर व कार्डों की भरमार के साथ दारू की दुकानों की भी चांदी कटने लगती है। कहीं कहीं तो जाम से जाम इतने टकराते हैं कि घटनाऐं दुर्घटनाओं में बदल जाती हैं और मनुष्य- मनुष्यों से तथा गाड़ियां गाडियों से भिडने लगते हैं। रात-रात भर जाग कर नया साल मनाने से ऐसा प्रतीत होता है मानो सारी खुशियां एक साथ आज ही मिल जायेंगी। हम भारतीय भी पश्चिमी अंधानुकरण में इतने सराबोर हो जाते हैं कि उचित अनुचित का बोध त्याग अपनी सभी सांस्कृतिक मर्यादाओं को तिलांजलि दे बैठते हैं। पता ही नहीं लगता कि कौन अपना है और कौन पराया।

जनवरी से प्रारम्भ होने वाली काल गणना को हम ईस्वी सन् के नाम से जानते हैं जिसका सम्बन्ध ईसाई जगत् व ईसा मसीह से है। इसे रोम के सम्राट जूलियस सीजर द्वारा ईसा के जन्म के तीन वर्ष बाद प्रचलन में लाया गया। भारत में ईस्वी सम्वत् का प्रचलन अग्रेंजी शासकों ने 1752 में किया। अधिकांश राष्ट्रों के ईसाई होने और अग्रेंजों के विश्वव्यापी प्रभुत्व के कारण ही इसे विश्व के अनेक देशों ने अपनाया। 1752 से पहले ईस्वी सन् 25 मार्च से प्रारम्भ होता था किन्तु 18वीं सदी से इसकी शुरूआत एक जनवरी से होने लगी। ईस्वी कलेण्डर के महीनों के नामों में प्रथम छः माह यानि जनवरी से जून रोमन देवताओं (जोनस, मार्स व मया इत्यादि) के नाम पर हैं। जुलाई और अगस्त रोम के सम्राट जूलियस सीजर तथा उनके पौत्र आगस्टस के नाम पर तथा सितम्बर से दिसम्बर तक रोमन संवत् के मासों के आधार पर रखे गये। जुलाई और अगस्त, क्योंकि सम्राटों के नाम पर थे इसलिए, दोनों ही इकत्तीस दिनों के माने गये अन्यथा कोई भी दो मास 31 दिनों या लगातार बराबर दिनों की संख्या वाले नहीं हैं। ईसा से 753 वर्ष पहले रोम नगर की स्थापना के समय रोमन संवत् प्रारम्भ हुआ जिसके मात्र दस माह व 304 दिन होते थे। इसके 53 साल बाद वहां के सम्राट नूमा पाम्पीसियस ने जनवरी और फरवरी दो माह और जोड़कर इसे 355 दिनों का बना दिया। ईसा के जन्म से 46 वर्ष पहले जूलियस सीजन ने इसे 365 दिन का बना दिया। सन् 1582 ई. में पोप ग्रेगरी ने आदेश जारी किया कि इस मास के 04 अक्टूबर को इस वर्ष का 14 अक्टूबर समझा जाये। आखिर क्या आधार है इस काल गणना का? यह तो ग्रहों व नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित होनी चाहिए।

जिस प्रकार ईस्वी सम्वत् का सम्बन्ध ईसा जगत से है उसी प्रकार हिजरी सम्वत् का सम्बन्ध मुस्लिम जगत और हजरत मुहम्मद साहब से है। किन्तु विक्रमी सम्वत् का सम्बन्ध किसी भी धर्म से न हो कर सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत व ब्रह्माण्ड के ग्रहों व नक्षत्रों से है। इसलिए भारतीय काल गणना पंथ निरपेक्ष होने के साथ सृष्टि की रचना व राष्ट्र की गौरवशाली परम्पराओं को दर्शाती है। इतना ही नहीं, ब्रह्माण्ड के सबसे पुरातन ग्रंथ वेदों में भी इसका वर्णन है। नव संवत् यानि संवत्सरों का वर्णन यजुर्वेद के 27वें व 30वें अध्याय के मंत्र क्रमांक क्रमशः 45 व 15 में विस्तार से दिया गया है। विश्व में सौर मण्डल के ग्रहों व नक्षत्रों की चाल व निरन्तर बदलती उनकी स्थिति पर ही हमारे दिन, महीने, साल और उनके सूक्ष्मतम भाग आधारित होते हैं।

इसी वैज्ञानिक आधार के कारण ही पाश्चात्य देशों के अंधानुकरण के बावजूद, चाहे बच्चे के गर्भाधान की बात हो, जन्म की बात हो, नामकरण की बात हो, गृह प्रवेश या व्यापार प्रारम्भ करने की बात हो, सभी में हम एक कुशल पंडित के पास जाकर शुभ लग्न व मुहूर्त पूछते हैं। और तो और, देश के बडे से बड़े राजनेता भी सत्तासीन होने के लिए सबसे पहले एक अच्छे मुहूर्त का इंतजार करते हैं जो कि विशुद्ध रूप से विक्रमी संवत् के पंचांग पर आधारित होता है। भारतीय मान्यतानुसार कोई भी काम यदि शुभ मुहूर्त में प्रारम्भ किया जाये तो उसकी सफलता में चार चांद लग जाते हैं। वैसे भी भारतीय संस्कृति श्रेष्ठता की उपासक है। जो प्रसंग समाज में हर्ष व उल्लास जगाते हुए एक सही दिशा प्रदान करते हैं उन सभी को हम उत्सव के रूप में मनाते हैं। राष्ट्र के स्वाभिमान व देश प्रेम को जगाने वाले अनेक प्रसंग चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से जुड़े हुए हैं। यह वह दिन है जिस दिन से भारतीय नव वर्ष प्रारम्भ होता है। आईये, इस दिन की महानता के प्रसंगों को देखते हैं -

ऐतिहासिक महत्व

- यह दिन सृष्टि रचना का पहला दिन है। इस दिन से एक अरब 97 करोड़ 39 लाख 49 हजार 109 वर्ष पूर्व इसी दिन के सूर्योदय से ब्रह्मा जी ने जगत की रचना प्रारंभ की।
- विक्रमी संवत का पहला दिन - उसी राजा के नाम पर संवत् प्रारंभ होता था जिसके राज्य में न कोई चोर हो, न अपराधी हो, और न ही कोई भिखारी हो। साथ ही राजा चक्रवर्ती सम्राट भी हो। सम्राट विक्रमादित्य ने 2067 वर्ष पहले इसी दिन राज्य स्थापित किया था।
- प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक दिवस - प्रभु राम ने भी इसी दिन को लंका विजय के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक के लिये चुना।
- नवरात्र स्थापना - शक्ति और भक्ति के नौ दिन अर्थात्, नवरात्र स्थापना का पहला दिन यही है। प्रभु राम के जन्मदिन रामनवमी से पूर्व नौ दिन उत्सव मनाने का प्रथम दिन।
- गुरू अंगददेव प्रगटोत्सव - सिख परंपरा के द्वितीय गुरु का जन्म दिवस।
- आर्य समाज स्थापना दिवस - समाज को श्रेष्ठ (आर्य) मार्ग पर ले जाने हेतु स्वामी दयानंद सरस्वती ने इसी दिन को आर्य समाज स्थापना दिवस के रूप में चुना।
- संत झूलेलाल जन्म दिवस - सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल इसी दिन प्रगट हुए।
- शालिवाहन संवत्सर का प्रारंभ दिवस -विक्रमादित्य की भांति शालिनवाहन ने हूणों को परास्त कर दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम राज्य स्थापित करने हेतु यही दिन चुना।
- युगाब्द संवत्सर का प्रथम दिन - 5112 वर्ष पूर्व युधिष्ठिर का राज्यभिषेक भी इसी दिन हुआ।
- डा0 केशव राव बलीराम हैडगेबार जन्म दिवस - राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संस्थापक थे।

प्राकृतिक महत्व

- वसंत ऋतु का आरंभ वर्ष प्रतिपदा से ही होता है जो उल्लास, उमंग, खुशी तथा चारों तरफ पुष्पों की सुगंधि से भरी होती है।
- फसल पकने का प्रारंभ यानि किसान की मेहनत का फल मिलने का भी यही समय होता है।
- नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं अर्थात् किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के लिये यह शुभ मुहूर्त होता है।

क्या एक जनवरी के साथ ऐसा एक भी प्रसंग जुड़ा है जिससे राष्ट्र प्रेम जाग सके, स्वाभिमान जाग सके या श्रेष्ठ होने का भाव जाग सके। आइये! विदेशी को फैंक स्वदेशी अपनाऐं और गर्व के साथ भारतीय नव वर्ष यानि विक्रमी संवत् को ही मनायें तथा इसका अधिक से अधिक प्रचार करें।

मैं रणबीर कपूर के साथ काम करना चाहती हूं

बिग बॉस से फेमस हुई शहनाज कौर गिल ने इस साल 2023 में अपने करियर की एक नया अध्याय शुरू किया। उन्होंने इस साल अप्रैल में सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान के साथ बॉलीवुड में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने भूमि पेडनेकर, शिबानी बेदी, डॉली सिंह और कुशा कपिला के साथ फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग में सक्रीन साझा की। ये दोनों फिल्में भले ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन उन्होंने दोनों से दर्शकों का खूब ध्यान खींचा। हाल ही में उन्होंने अपने करियर को लेकर बात की है। शहनाज कौर गिल ने एक बातचीत में बताया कि 2023 उनके लिए एक महत्वपूर्ण साल रहा है। उन्होंने अपनी आंखें खोलीं और जीवन के प्रति अपना नजरिया बदल दिया है। उन्होंने कहा, मैं अब पूरी तरह से नहीं तो थोड़ा और परिपक्व हो गई हूं। पहले मैं बहुत बचकानी हुआ करती थी। मैं अब कुछ स्थितियों को बेहतर ढंग से संभालना और निपटना जानती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि सलमान खान के साथ काम करने के बाद वह उस चेक बॉक्स पर टिक करने का इंतजार कर रही हैं, जो लंबे समय से उनके दिमाग में है। शहनाज ने कहा, मैं सभी सुपरस्टार्स के साथ काम करना चाहती हूं, लेकिन अगर मैंने किसी का सोचा, तो वह रणबीर कपूर होंगे। मैं उनसे व्यक्तिगत रूप से कभी नहीं मिली हूं, लेकिन मैंने उन्हें दूर से कार्यक्रमों में देखा है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अब उन्हें ऑडिशन देने में कोई परेशानी नहीं है। उन्हें पता चल गया है कि यह उस तरह की फिल्में और किरदार पाने का एकमात्र तरीका है, जो वह चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं बिग बॉस से पहले ऑडिशन के लिए कभी नहीं गई। अब मैं ऑडिशन देने के लिए तैयार हूं। पहले मुझे ऑडिशन की कीमत नहीं पता थी। अब मुझे पता है। शहनाज ने बताया कि वह रिजेक्शन से कैस निपटती हैं। उन्होंने कहा, रिजेक्शन हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। भले ही मुझे रिजेक्ट कर दिया जाए। मुझे पता है कि मैं इससे बहुत कुछ सीखूंगी। मुझे लगता है कि रिजेक्शन एक व्यक्ति को अनुभव करना चाहिए।

परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताना नए साल का संकल्प

टेलीविजन शो हप्पू की उलटन पलटन में मुख्य किरदार राजेश सिंह की पत्नी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री गीतांजलि मिश्रा ने अपने नए साल का संकल्प के बारे में बताया है। एक्ट्रेस इसी साल अगस्त में शो का हिस्सा बनीं और उन्हें दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उसी के बारे में बात करते हुए गीतांजलि ने कहा, मेरे शो हप्पू की उलटन पलटन की बदौलत मेरा साल बहुत अच्छा गुजरा। जैसा कि मैं 2024 की ओर देख रही हूं, मैं अपने परिवार के साथ अधिक गुणवत्तापूर्ण समय बिताने का संकल्प लेती हूं। मैंने अपने भतीजों से वादा किया कि मैं उन्हें 2024 में विभिन्न स्थानों पर छुट्टियों पर ले जाऊंगी। उन्होंने आगे बताया, उन्होंने पहले ही अपनी पसंदीदा जगहों की सूची साझा कर दी है, इसलिए मुझे नया साल शुरू होते ही इस पर काम शुरू करना होगा। गीतांजलि ने हप्पू की उलटन पलटन में कामना पाठक की जगह राजेश सिंह (रज्जो) का किरदार निभाया। शो के सेट पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। राजेश सिंह शो के मुख्य किरदार दरोगा हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी) की दबंग दुल्हनिया हैं।

तमन्ना भाटिया ने 2023 में गेम-चेंजिंग ओटीटी डेब्यू के साथ फैंस को किया एंटरटेन

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने खुद को न सिर्फ एक पैन इंडिया एक्ट्रेस के रूप में बल्कि कॉन्टेंट की ओटीटी क्वीन के रूप में भी स्थापित किया है। साल 2023 में, वह तीन प्रोजेक्ट्स में दिखाई दीं, जिसमें वह तीन अलग तरह के किरदार में नज़र आईं। जी करदा में लावण्या सिंह-अर्बन रोमांटिक ड्रामा सीरीज़ जी करदा में तमन्ना भाटिया ने लावण्या सिंह का किरदार निभाया। लावण्या, सेल्फ-डिस्कवरी जर्नी पर निकली एक युवा महिला, शादी की बारीकियों से जूझती है। बचपन के सात दोस्तों में सबसे इम्पोर्टेन्ट मेंबर में से एक के रूप में, वह एम्बिशन दिखाती है। लस्ट स्टोरीज़ 2 में शांति-तमन्ना भाटिया ने विजय की पूर्व पत्नी शांति चौहान का किरदार निभाया है, जो सुजॉय घोष के लस्ट स्टोरीज़ 2 के सेगमेंट में एक दशक से गायब है। शांति को आकर्षक आंखों, फेयर कॉम्प्लेक्शन और ग्रेट फिजिक वाली महिला के रूप में दिखाया गया है। तमन्ना का शांति का किरदार न केवल अट्रैक्टिव है बल्कि वह मिस्ट्री का सटल टच भी देता है। इंस्पेक्टर आन्या स्वरूप-तमन्ना भाटिया मर्डर मिस्ट्री सीरीज़ आखिरी सच में इंस्पेक्टर आन्या स्वरूप की भूमिका निभाती हैं। आन्या एक पुलिस ऑफिसर है, जो एक ऐसे पेचीदा मामले की जाँच करती है, जहाँ परिवार के 11 सदस्यों की एक साथ मृत्यु हो जाती है। तमन्ना का आन्या का किरदार जटिलताओं को आसानी से सामने लाता है। तमन्ना 2024 आने के साथ, निखिल आडवाणी की हिंदी फिल्म वेदा में जॉन अब्राहम के साथ दर्शकों को एंटरटेन करती दिखाई देंगी, और तमिल फिल्म अरनमनई 4 में मुख्य भूमिका भी निभाएंगी। फैंस इन रिलीजों का बेसब्री से अपनी फेवरेट एक्ट्रेस को नए और वर्सटाइल किरदारों में देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

काजोल ने नेटफ्लिक्स के शो हैनिबल की पॉप्युलर किरदार को निभाने की इच्छा जाहिर की

काजोल बॉलीवुड की चुलबुली और शानदार कलाकारों में से एक गिनी जाती हैं। उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग के दम पर काफी खास पहचान बनाई है। बड़े पर्दे पर लीड हीरोइन के ढेर सारे किरदारों को जी चुकीं काजोल ने हाल ही में ओटीटी की दुनिया में कदम बढ़ाया है। काजोल ने वेब सीरीज द ट्रायल में भी जमकर तहलका मचाया और अब साल खत्म होते-होते उनके इस हॉलीवुड वाले खूंखार अंदाज ने बवाल मचा रखा है। काजोल नें ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर खुद शेयर की हैं। काजोल ने सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीर शेयर कर अपनी दिली इच्छा जाहिर की है। उन्होंने नेटफ्लिक्स के शो हैनिबल की पॉप्युलर किरदार को निभाने की इच्छा जाहिर की है जो एक खतरनाक विलन का है। अपने दिल की ख्वाहिश जाहिर करने के लिए काजोल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया है। दरअसल काजोल ने शुक्रवार की रात अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपना हैनिबल अवतार दिखाया है। इन तस्वीरों में उन्होंने पूरा ब्लैक आउटफिट पहना है। काजोल ने अपनी ये झलकियां शेयर करते हुए लिखा है- मुझे मेरा ये लुक काफी पसंद आया, मौका मिला तो मैं ये लुक किसी दिन आजमा सकती हूं।

आमिर खान को लगा है इन चीजों का शौक

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के लिए पिछली कुछ फिल्में खास नहीं रहीं। प्रोफेशनल लाइफ से इतर पर्सनल लाइफ को लेकर भी आमिर खान चर्चा में रहे हैं। हालांकि साल 2024 की शुरुआत उनके लिए काफी खूबसूरत होगी। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट की बेटी आइरा खान अपने बॉयफ्रेंड नुपूर शिखरे के साथ शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। लेकिन उससे पहले आमिर खान को कुछ नए शौक लगे हैं जिन्हें लेकर वो खबरों में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बेटी की शादी से पहले आमिर खान को मराठी सीखने का शौक लग गया है। इतना ही नहीं अहब्ब ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि आमिर खान गायकी में भी हाथ आजमा रहे हैं। गुलाम फिल्म में रानी मुखर्जी के साथ आती क्या खंडाला में जलवा दिखा चुके आमिर खान सिंगिंग की प्रोफेशनल ट्रेनिंग ले रहे हैं। लेकिन क्या यह उनकी बेटी की शादी में की जाने वाली किसी खास परफॉर्मेंस के लिए है या फिर उनकी किसी अपकमिंग फिल्म के लिए यह साफ नहीं है।

बेटी की शादी से पहले कर रहे खूब मेहनत

जानकारी के मुताबिक आमिर खान हर रोज सिंगिंग क्लास लेने जाते हैं और उन्होंने दिल का एक घंटा इसके लिए फिक्स कर रखा है। घर पर भी वह नियमित रियाज कर रहे हैं ताकि अपनी अपनी स्किल्स बेहतर कर पाएं।

सफेद एक ऐसी फिल्म है, जिसके बार में कोई कल्पना भी नहीं कर सकता

अभिनेत्री मीरा चोपड़ा इस वक्त अपनी फिल्म सफेद को लेकर चर्चा में हैं। ये फिल्म ओटीटी पर आज से स्ट्रीम होगी। हाल ही में मीरा ने इस फिल्म में काम करने का अपना अनुभव साझा किया। ये फिल्म ट्रांसजेंडर और विधवा की जिंदगी पर आधारित है, जिन्हें समाज में अलग-थलग कर दिया जाता है। फिल्म को लेकर मीरा ने कहा ये फिल्म वास्तविकता दिखाती है और उन्हें इस किस्म का सिनेमा करना बेहद पसंद है। मीरा ने कहा, फिल्म सफेद एक ऐसी फिल्म है, जिसके बार में कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। ये फिल्म बहुत आश्चर्यचकित करती है, क्योंकि इसमें एक ऐसी दुनिया की झलक है, जिसके बारे में शायद ही कोई जानता है और अक्सर हम इसे नजरअंदाज करते हैं। ये एक बेहद खूबसूरत लव स्टोरी है। इसकी शूटिंग बनारस में हुई है। फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर मीरा ने कहा, मुझे लगता है कि इस तरह की फिल्में ओटीटी पर रिलीज होनी चाहिए। अर्थपूर्ण सिनेमा को समझने और उसे देखने के मामले में ओटीटी का दर्शक वर्ग काफी समझदार है। इस तरह के सिनेमा का हिस्सा बनना मुझे बेहद पसंद है। बता दें कि सफेद में मीरा के अलावा अभय वर्मा भी हैं। ये फिल्म एक ट्रांसजेंडर और एक विधवा की प्रेम कहानी पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह सामाजिक उत्पीड़न के शिकार दो लोग एक-दूसरे के साथ सुकून पाते हैं और उनका अकेलापन दूर हो जाता है। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन संदीप सिंह ने किया है। इस फिल्म के जरिए वे निर्देशन में डेब्यू कर रहे हैं। ये फिल्म आज 29 दिसंबर 2023 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हो रही है। फिल्म से अलग मीरा इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। हाल ही में खबर आई कि मीरा घर बसाने जा रही हैं। उन्होंने शादी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा ये भी किया गया है कि मीरा अगले साल फरवरी में अपने बॉयफ्रेंड के साथ सात फेरे लेने वाली हैं। दोनों की शादी राजस्थान में होगी।

मैरी क्रिसमस में काम करना चाहते थे सैफ, डायरेक्टर ने विजय सेतुपति को साइन किया

कटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म मैरी क्रिसमस का ट्रेलर रिलीज के बाद से ही चर्चा में है। मैरी क्रिसमस के प्रमोशन के दौरान फिल्म के डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने एक बड़ा खुलासा किया है। श्रीराम राघवन के मुताबिक इस फिल्म में काम करने के लिए पहले सैफ अली खान ने इच्छा जाहिर की थी। उन्हें स्क्रिप्ट बेहद पसंद आई थी। लेकिन बाद में राघवन का मूड बदल गया, हालांकि उन्हें इस बात का बेहद अफसोस है। डायरेक्टर ने सैफ से इसके लिए माफी भी मांगी थी। मैरी क्रिसमस 12 जनवरी को रिलीज होगी।

मैरी क्रिसमस को लेकर मैं सचेत रहना चाहता था

इंटरव्यू के दौरान डायरेक्टर ने बताया- मैं शुरू से ही फिल्म की कास्ट को लेकर बहुत सतर्क रहना चाहता था। इसी के चलते मैंने पहले सैफ अली खान से संपर्क किया था। मैंने उन्हें फिल्म की पूरी कहानी सुनाई। एक्टर को कहानी काफी पसंद आई। उन्होंने स्टोरी सुनकर इस रोल में दिलचस्पी दिखाई थी।

राघवन ने कहा कि बाद में मेरा मूड बदल गया

फिल्म में कुछ नई चीजें जुड़ने के कारण मुझे सैफ को मना करना पड़ा। मुझे बाद में इस बात का बेहद अफसोस हुआ। आपको बता दें सैफ अली खान और श्रीराम राघवन ने एक हसीना थी और एजेंट विनोद जैसी फिल्मों में एक साथ काम किया है। एजेंट विनोद के प्रोड्यूसर सैफ अली खान ही थे। मैरी क्रिसमस एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है। डायरेक्टर ने फिल्म के लिए बाद में एक्टर विजय सेतुपति को चुना।

विजय सेतुपति का सिलेक्शन कैसे हुआ

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए डायरेक्टर ने कहा- मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल के दौरान मेरी मुलाकात विजय सेतुपति से हुई थी। ये पहली बार था जब मैं उनसे मिला था। इसी फेस्टिवल में विजय की रोमांटिक फिल्म 96 की स्क्रीनिंग भी की गई थी। उन्होंने कहा कि जब वो मुझसे हिंदी में बात करना शुरू किए, उसी समय मैंने उन्हें अपनी फिल्म के लिए पसंद कर लिया था। मैं समझ गया था कि फिल्म के इस खास रोल के लिए विजय बिल्कुल फिट हैं।

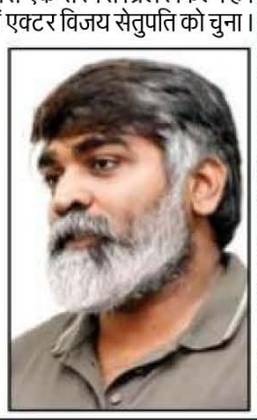

बड़े बजट की होगी अहान शेट्टी की अपकमिंग फिल्म

एक्टर सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की पहली फिल्म तड़प फॉक्स मीडिया और नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा बनाई गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टर की अपकमिंग फिल्म बड़े बजट की होगी। साजिद नाडियाडवाला ने अहान के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा- डियर अहान, आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। अब गिफ्ट खुलने का अगले महीने तक इंतजार नहीं कर सकते हैं। क्योंकि हम इसके लिए बेहद एक्साइटेड हैं। अब जब हम साथ में माइल स्टोन पाने के लिए एक नए सफर पर निकल चुके हैं, तो इसे सेलिब्रेट करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म में अहान के अपोजिट लीड एक्ट्रेस कौन है,ये अब तक तय नहीं हुआ है। इसके अलावा फिल्म का बजट लगभग 75 करोड़ रुपए रखा गया है। हालांकि, अभी मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी किसी बात की पुष्टि नहीं की है। अहान शेट्टी ने फिल्म तड़प से अपना बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इस एक्शन ड्रामा फिल्म में अहान की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। इस फिल्म में उनके साथ तारा सुतारिया भी लीड रोल में थीं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी 'मोदी के मन की बात'

नोएडा (चेतना मंच)। आज भाजपा नोएडा महानगर द्वारा नोएडा के सभी मंडलों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात. कार्यक्रम को सुना गया। 'मन की बात' का कार्यक्रम नोएडा महानगर में हर बूथ पर रखा गया और सभी कार्यकर्ताओं ने सुना।

प्रधानमंत्री ने अपनी 'मन की बात' में सबसे पहले सभी को 2024 की शुभकामनाएं दी। उसके बाद उन्होंने आजादी का अमृत महोत्सव' और 'मेरी माटी मेरा देश' जैसे सफल अभियान के बारे में बात की। उन्होंने भारत के प्रयास से 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्क के रूप में मनाये जाने पर सभी को शुभकामनाएँ दी। उसके बाद उन्होंने विस्तार से फिट इंडिया के सपने को साकार करने की दिशा में इनोवेटिव हेल्थ केयर स्टार्टअप के बारे में चर्चा की और साथ ही कुछ लोगो के विचार भी साझा किए। उन्होंने सावित्रीबाई फुले जी और रानी वेलु नाचियार जी को भी याद किया और उनके द्वारा किए कार्यों को बताया। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर को लेकर पूरे देश में उत्साह और उमंग को भी साझा किया।

सभी मंडलों में हुए इस मन की बात कार्यक्रम में सभी प्रदेश, जिला कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया जिसमें अध्यक्ष मनोज गुप्ता सेक्टर-35, महामंत्री उमेश त्यागी सेक्टर-22, सुचित्रा कक्कड़ सेक्टर-108, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर सेक्टर-51, गिरजा सिंह सेक्टर-20, हर्ष चतुर्वेदी सेक्टर-47, एस पी चमोली, अशोक मिश्रा, गोपाल गौड़, सूरज पाल राणा, लोकेश कश्यप, बबलू यादव, पंकज झा, कल्लू सिंह, चमन अवाना, उमेश यादव, ओमवीर अवाना, शारदा चतुर्वेदी, रवि यादव, सचिन अम्बवता, अमरीश त्यागी, मनोज चौहना, पवन सिंह, मुकेश शर्मा, महेश अवाना, युद्धवीर चौहान, योगेन्द्र चौधरी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कड़ाके की ठंड के बीच मेट्रो की मांग पर प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)।

वक्त आने दे दिखा देंगे तुझे ऐ आसमाँ।
हम अभी से क्यूँ बताएँ क्या हमारे दिल में है॥

ये कहावत उन लोगों पर सटीक बैठती है जो एक साल से भी ज्यादा वक्त से फ्लैट, रजिस्ट्री, पजेशन को लेकर हर हफ्ते ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एकमूर्ति चौक पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बार फ्लैट के साथ-साथ मेट्रो की मांग ने ज़ोर पकड़ा और कड़कड़ाती ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में घर ख़रीदारों ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एकमूर्ति पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया।

मेट्रो की मांग को लेकर घर ख़रीदारों का प्रदर्शन लगातार जारी है। इनका कहना है कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट को सिर्फ़ वादे मिलते हैं, वहीं मेट्रो दूसरी जगहों को मिलता है। घर ख़रीदारों ने रजिस्ट्री की समस्या पर भी बैठक हुई। घर ख़रीदारों ने कहा कि एनसीएलटी में ज़्यादातर प्रोजेक्ट हैं, सरकार को इन प्रोजेक्ट में रहने वाले लाखों निवासियों के बारे में सोचना चाहिए। वहीं घर ख़रीदारों ने ये भी कहा कि स्पोर्ट्स सिटी जैसे प्रोजेक्ट को बाहर क्यों रखा गया है, जबकि यहां भी हज़ारों लोगों को बिना रजिस्ट्री के रहना पड़ रहा है।

आंदोलन में अहम भूमिका निभा रहे मिहिर गौतम, दीपांकर कुमार, राजकुमार, रोहित मिश्रा, शैलेश कुमार सिंह, आरसी भट्ट, अनुराग खरे, अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि अब तो 2024 आ रहा है, सरकार मेट्रो की सौगात अब तो दे।

वहीं लगातार विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रहे सुधांशु किशोर, बिपिन प्रसाद, गंगेश कुमार, रंजना सिंह, अनुपमा मिश्रा, मुकेश सहित कई लोगों ने कहा कि एनसीएलटी में प्रोजेक्ट होने की वजह से बड़ी संख्या में घर ख़रीदारों को सरकार के फ़ैसले से कोई फ़ायदा नहीं होगा। रजिस्ट्री के मुद्दे को आईआरपी से बात कर अथॉरिटी सुलझाए नहीं तो सरकार के इतने बड़े फ़ैसले का लाखों लोगों को फ़ायदा नहीं मिलेगा। वहीं स्पोर्ट्स सिटी जैसे प्रोजेक्ट के बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए।

पंकज जिंदल डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के प्रतिष्ठित व्यवसायी एव समाजसेवी पंकज जिंदल को सोक्रेट्स सोशल रिसर्च यूनिवर्सिटी ने उनके जीवनपर्यंत उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि से किया गया सम्मानित। यह उपाधि एनसीईआरटी के संयुक्त निदेशक डॉ नाहर सिंह ने प्रधान की, इसी के साथ उन्हें अंतरराष्ट्रीय कर्मश्री अवार्ड से भी नवाजा गया। आपको बताते चला कि पंकज जिंदल नोएडा डायबिटिक फोरम के संस्थापक सदस्य एवं महासचिव है। पंकज जिंदल 1994 से भारत विकास परिषद नोएडा के संस्थापक और कार्यकारी सदस्य है, वह शाखा अध्यक्ष, उ.प्र. के प्रदेश सचिव, उ.प्र. के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर रहे। तत्कालीन क्षेत्रीय सचिव, बीवीपी की पूरे भारत में लगभग 1800 शाखाएँ फैली हुई हैं, जो समाज की भलाई के लिए काम करती हैं। भारत विकास परिषद शिक्षा, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य, खेल और पर्यावरण के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से समाज की सेवा करती है।

बास्केट बॉल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष के रूप में पंकज जिंदल द्वारा 2008 में बास्केट बॉल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न राज्य और राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट आयोजित किए। क्षेत्र में स्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए यूपीआरएसए के सहयोग से सीबीएसई राज्य रोलर स्केट चैंपियनशिप का आयोजन किया गया।

फोनरवा के चुनाव अधिकारी पर लगाया पक्षपात का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-29 स्थिति नोएडा मीडिया क्लब में शनिवार को राजीव गर्ग व सुखदेव शर्मा पैनल ने बैठक कर चुनाव अधिकारी पर पक्षपातपूर्ण कार्य करने का आरोप लगाया। पैनल के विभिन्न पदों पर उम्मीदवार के रूप में खड़े पदाधिकारियों ने बताया कि कैसे उनके साथ चुनाव अधिकारी न्याय नहीं कर रहे हैं।

अध्यक्ष प्रत्याशी राजीव गर्ग का आरोप है कि सेक्टर-11 व सेक्टर-108 में एक समान स्थिति है। इसके बावजूद सेक्टर-11 में कोई परिवर्तन नहीं करते हुए। सेक्टर-108 में महासचिव के स्थान पर दूसरे पदाधिकारी को मतदाता सूची में जोड़ दिया, जबकि वह पहले सूची में थी। सेक्टर-145 में मकान नहीं है, लेकिन वहां पर आरडब्ल्यूए पंजीकृत करा फोनरवा का सदस्य बना दिया है। हमारे साथ चुनाव लड़ रहे साथियों के फार्म की जानकारी भी दूसरे पैनल के पास पहुंच रही है। उन्होंने लिखित शिकायत तक में इसका जिक्र किया है। लोकतंत्र में निष्पक्ष इस संबंध में योगेंद्र शर्मा का कहना है कि इस पैनल का इरादा चुनाव को टालना है।

राजीव गर्ग पैनल ने नोएडा मीडिया क्लब में प्रेस वार्ता की। जिसमें राजीव गर्ग ने कहा कि योगेंद्र शर्मा पैनल साजिश कर रहा है और उस साजिश में चुनाव अधिकारी भी शामिल हैं।

इनकी देखरेख में चुनाव होने पर पारदर्शिता नहीं रहेगी। ओमवीर बंसल को अगर चुनाव से रोका जाता है तो हम चुनाव में नहीं जायेंगे। ऐसे में चुनाव को निरस्त किया जाए, नहीं तो हम चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

महासचिव पद पर खड़े सुखदेव शर्मा ने कहा कि इस चुनाव को पूरी तरह से प्रभावित करने का काम शुरु से हो रहा है। जिसमें एक एक करके मतदाताओं को उनके मतदान से वंचित करने के लिए उन्हें फोनरवा में सदस्य ही नहीं बनाया गया। वहीं, कई आरडब्ल्यूए को जानबूझकर गलत तरीके से अध्यक्ष पद से ही हटा दिया गया। जबकि उनके स्थान पर दूसरे लोगों को अध्यक्ष पद पर बैठा दिया गया, जो कि गलत है। हम सब इसका विरोध करते हैं।

सेक्टर 52 अरावली अपार्टमेंट के अध्यक्ष ओ.पी. यादव ने कहा कि जिस तरह से चुनाव अधिकारी दूसरे पैनल के प्रभाव में आकर फैसले ले रहे हैं वह बिल्कुल ही सही नहीं है। वहीं, सेक्टर 22 के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा कि वह फोनरवा के चुनाव में मतदाता बनाए जाने से जानबूझकर वंचित किया गया है। इसमें चुनाव अधिकारी की ही भूमिका है।

इस मौके पर जगदीश कुमार जग्गा, सतवीर यादव, नरोत्तम शर्मा, ओपी यादव, अनीता सिंह, जेपी उप्पल, अनिल सिंह, संजीव कुमार, एनपी सिंह सहित राजीव गर्ग पैनल के लोग उपस्थित रहे। वहीं, राजीव पैनल द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था जिसके द्वारा प्रशासन पर अनेक आरोप लगाए गए हैं।

मानव रचना स्कूल ने मनाया वार्षिकोत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल नोएडा का वार्षिकोत्सव ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्धनगर विश्वविद्यालय के सभागार में धूमधाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने बेहतरीन रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। विभिन्न लघु नाटिकाओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने कई सामाजिक संदेश दिए जिनकी उपस्थिति लोगों ने मुक्त कंठ से सराहना की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति अति विशेष सेवा मेडल से सम्मानित मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विद्यालय के बैंड ने शानदार प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बैंड के मनमोहक सुरों को सुनकर उपस्थित लोग झूम उठे। विद्यालय के ग्रुप ने भी गीत संगीत की बेहतरीन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अ डे ऑफ मिस्टिकल वंडर्स नाटिका प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को रहस्य एवं तिलिस्मों की दुनिया में पहुंचा दिया।

इस मौके पर मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल नोएडा के चेयरमैन चरणजीत अरोड़ा, कार्यकारी निदेशक लवकेश मंगू के साथ-साथ मानव रचना शिक्षण संस्थानों के मुख्य सदस्यों ने हिस्सा लिया।

भांजी के साथ किया दुष्कर्म

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा से एक कलियुगी मामा की काली करतूत सामने आई है। ग्रेटर नोएडा में एक रिश्ते में मामा लगने वाले एक व्यक्ति ने भांजी के साथ दुष्कर्म किया, जिससे वह गर्भवती हो गई। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर पीड़िता थाने पहुंचे। लेकिन जब पीड़िता की नहीं सुनी गई तो उसने थाने में जहरीले पदार्थ का सेवन कर जान देने की कोशिश की।

मामला ग्रेटर नोएडा से सटे दनकौर कोतवाली क्षेत्र का है। बागपत के एक गांव की रहने वाली युवती दनकौर थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन माह पहले आई थी। आरोप है कि यहां रिश्ते के मामा ने दुष्कर्म किया। आरोपी ने पीड़िता के अश्लील वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी भी दी। आरोपी के दुष्कर्म से युवती तीन माह की गर्भवती हो गई।

आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पीड़िता दनकौर कोतवाली में पहुंची। आरोप है कि युवती तीन घंटे तक कोतवाली में रही। आरोपी को भी यहां बुलाया गया, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़िता शौचालय में गई और जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। इससे पीड़िता की हालत बिगड़ गई। परिजन युवती को बाइक पर बैठाकर अस्पताल ले गए। मामले में रविवार रात तक कोई केस दर्ज नहीं किया गया था।

ग्रेटर नोएडा जोन के एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि थाने आने के दौरान युवती की तबीयत बिगड़ गई थी। रिश्तेदारी का मामला होने के कारण दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया और कोई शिकायत नहीं दी। शिकायत मिलने पर मामले में केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश की आधुनिक सिटी नोएडा में नए साल के जश्न में खलल डालने के प्रयास में सड़क पर निकले एक बदमाश को पुलिस ने अस्पताल पहुंचा दिया है। नोएडा के थाना सेक्टर 113 की पुलिस ने बदमाश को गोली मारकर घायल कर दिया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़ा गए बदमाश के खिलाफ दिल्ली और मेरठ के थानों में दर्जनभर मुकदमें दर्ज हैं।आधी रात को नोएडा की थाना सेक्टर 113 पुलिस व लुटेरे बदमाशों के बीच नोएडा विकास प्राधिकरण सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के पास सर्विस रोड पर मुठभेड हो गई। इस मुठभेड़ में अफजल पुत्र आबिद निवासी 235 ईस्ट इस्लामाबाद थाना लिसाड़ी गेट मेरठ पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे बाद में गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बदमाश के कब्जे से थाना कंकरखेड़ा मेरठ से चोरी की गई मोटर साइकिल टीवीएस अपाचे बिना नंबर प्लेट, एक तमंचा, दो जिंदा में एक खोखा कारतूस 315 बोर बरामद हुए हैं। बदमाश का एक साथी फुरकान निवासी जाकिर कॉलोनी थाना लिसाली गेट मेरठ ग्रीन बैल्ट की घनी झाड़ियां का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आप सभी क्षेत्रवासियों को
नववर्ष 2024
की हार्दिक शुभकामनाएं

राजीव नागर
समाजसेवी, ग्रेटर नोएडा
RAJIV CONSTRUCTION
All types civil work

दो किशोरियां लापता

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग थाना क्षेत्र से दो किशोरिया संदिग्ध परिस्थितियों महिला पता हो गई। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सदरपुर गांव में रहने वाले रमेश (काल्पनिक नाम) ने पुलिस की शिकायत में बताया कि बीते 30 दिसंबर की शाम को वह ड्यूटी से घर आए तो पता चला कि उसके (12 वर्षीय) बेटी घर से लापता है। उसने आसपास व परिचितों के यहां अपनी बेटी की तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। वहीं थाना सेक्टर-63 में के छिजारसी कॉलोनी में रहने वाले मनोज (काल्पनिक नाम) ने पुलिस से की शिकायत बताया कि उसकी (13 वर्षीया) बेटी बीते 29 दिसंबर की दोपहर को घर से बाहर गई थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उन्होंने पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर अपनी बेटी को पहले फुसलाकर भगा ले जाने का शक जाहिर किया है।

आप सभी को
नववर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं
लक्ष्मण सिंह यादव
(प्रदेश अध्यक्ष) उ.प्र.
राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति,
अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक महासंघ
#9873375080
प्रदेश कार्यालयः लक्ष्मण पैलेस, ग्राम-गढ़ी चौखण्डी, गली नं.-1,
सेक्टर-68, नियर क्लियो काउंटी, नोएडा
राष्ट्रीय कार्यालय: OBC सेल ओरिटनल बिल्डिंग, द्वितीय मंजिल,
निकट मेट्रो स्टेशन, दिल्ली गेट, दिल्ली

सभी देशवासियों एवं इफको के कर्मचारियों तथा घियानगर फूलपुर के निवासियों को कर्मचारी संघ की ओर से नव वर्ष 2024 की
हार्दिक शुभकामनाएं

पंकज पाण्डे
अध्यक्ष

विनय कुमार यादव
महामंत्री
कर्मचारी युनियन इफको फूलपुर, प्रयागराज

सभी देशवासियों एवं इफको के अधिकारियों तथा घियानगर फूलपुर के निवासियों को एसोशिएसन के अध्यक्ष और महामंत्री की ओर से नव वर्ष 2024 की
हार्दिक शुभकामनाएं

अनुराग तिवारी
अध्यक्ष

स्वयं प्रकाश
महामंत्री
ऑफीसर्स एसोसिएशन इफको फूलपुर, प्रयागराज